पटना ● रविवार, 19 मई 2024 | मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 | वर्षः 5, अंकः133 | www. bordernewsmirror@gmail.com | 9471060219, 9470050309

BORDER NEWS MIRROR BNM to the point...

बॉर्डर न्यूज मिरर

राष्ट्रीय द्विभाषिक समाचार पत्र

"खबरों से समझौता नहीं"

अपने अधिकारों का आओ सम्मान... 3 | www. bordernewsmirror.com | भूमि पेडनेकर ने फैशन.. 8

बड़ी उपलब्धि ! अब बिना वीजा के भी जा सकेंगे रूस

● कर सकेंगे मॉस्को और सेंट पीट्सबर्ग की खूबसूरती का दीदार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और रूस की मित्रता पूरी दुनिया में मशहूर है। जब-जब संकट आया है दोनों देशों ने एक-दूसरे की मदद की है। अब इस दोस्ती में एक नया अध्याय जुड़ने जा रहा है। दोनों देश अपने लोगों को वीजा फ्री टूरिस्ट एंट्री देने की कार्य

योजना पर काम कर रहे हैं। उम्मीद जताई जा रही है कि 2024 में इसे मूर्त रूप दिया जा सकता है। एक रूसी मंत्री के मुताबिक, रूस और भारत के बीच यात्रा को सुविधाजनक बनाने के लिए द्विपक्षीय समझौते पर अगले महीने यानी जून में बातचीत शुरू होगी। आरटी न्यूज की एक रिपोर्ट में कहा गया रूसी मंत्री ने यह भी कहा कि मॉस्को और नई दिल्ली वीजा फ्री टूरिस्ट ग्रुप को एक-दूसरे देश में भेजने की योजना पर काम कर रहे हैं।

वंदे भारत से लेकर शताब्दी तक, किसानों ने लगाया 'ब्रेक'

● घंटों की देरी से चल रहीं कई ट्रेनें

नई दिल्ली (एजेंसी)। पंजाब में चल रहे किसानों के विरोध प्रदर्शन के कारण जम्मू-कश्मीर में रेल यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ है। ट्रेनें अपने निर्धारित समय से घंटों की देरी से चल रही हैं। दरअसल शंभू और

खनौरी सीमाओं पर अपने आंदोलन के सिलसिले में तीन किसानों को गिरफ्तार किया गया था। अब उनकी रिहाई की मांग को लेकर शंभू रेलवे स्टेशन के पास पटरियों पर किसानों का एक समूह धरना दे रहा है। इस धरन को शुक्रवार को एक महीना पूरा हो गया। वहीं इस इलाके में चल रहे किसान आंदोलन को 22 मई को 100 दिन पूरे हो जाएंगे। रिपोर्ट के मुताबिक, किसान मजदूर मोर्चा (केएमएम) और एसकेएम (गैर-राजनीतिक) के बैनर तले 17 अप्रैल को धरना शुरू किया गया था।

नेहरू के समय कब्जाई जमीन पर मॉडल गांव बना रहा चीन

● विदेश मंत्री का बड़ा दावा, 1959 में किया था कब्जा

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शुक्रवार को दावा किया कि चीन उस जमीन पर मॉडल गांव बना रहा है जो उसने पूर्व प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू के कार्यकाल के दौरान कब्जाई थी। एक इंटरव्यू में विदेश मंत्री ने भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू पर चीनी

आक्रमण के कारण देश की जमीन खोने का आरोप लगाया। विपक्ष लगातार आरोप लगा रहा है कि चीन अरुणाचल प्रदेश के पास मॉडल गांव बना रहा है और पूर्वी लद्दाख में भी जमीन छीन रहा है। इन आरोपों के जवाब में जयशंकर ने कहा कि जिस क्षेत्र में गांव बनाया जा रहा है, उस पर 1950 के दशक के अंत में चीन ने कब्जा कर लिया था। तब नेहरू प्रधानमंत्री थे। एस जयशंकर ने बताया कि जो गांव विवाद का विषय बना वह लोंगजू नाम की जगह पर है। अगर आप भारतीय संसद के रिकॉर्ड देखें या चीन के साथ हमारी सीमा समस्या पर कोई किताब पढ़ें तो पता चलता है कि चीन ने 1959 में लोंगजू पर कब्जा कर लिया था।

चारधाम यात्रा

अब पुलिस चैक पोस्ट पर ही भक्तजन होंगे 'स्टॉप'

यात्रा के लिए अनिवार्य हुआ ऑनलाइन-ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन

देहरादून (एजेंसी)। चारधाम यात्रा पर आने वाले तीर्थ यात्रियों के लिए बड़ा अपडेट सामने आया है। रजिस्ट्रेशन के बिना किसी भी भी भक्तजन को यात्रा करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। दूसरी ओर, पुलिस-प्रशासन की ओर से यात्रा पर जाने वाले तीर्थ यात्रियों के रजिस्ट्रेशन चैक करने के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। विदित हो कि 10 मई से शुरू चारधाम यात्रा में तीर्थ यात्रियों की भारी भीड़ देखने को मिल रही है।

चारधाम यात्रा के दौरान वाहनों की भीड़ को कम करने के लिए हरिद्वार में भी पहली बार रजिस्ट्रेशन चेक किए जाएंगे। रजिस्ट्रेशन नहीं होने वाले वाहनों को वापस लौटाया जाएगा। इसके लिए पुलिस की ओर से तीन

चेक पोस्ट बनाए जा रहे हैं। इनमें पहला चेक पोस्ट नारसन, दूसरा पंतद्वीप और तीसरा चेक पोस्ट सप्तऋषि पर बनाया जाएगा। इसके अलावा नेपाली फार्म में भी हरिद्वार के 25 पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगा दी गई है। जो बिना वजह चारधाम यात्रा मार्ग पर जाने वाले वाहनों को वापस भेजेंगे। हरिद्वार डीएम धीराज सिंह गर्ब्याल, डीएम देहरादून सोनिका, एसएसपी हरिद्वार प्रमेंद्र डोभाल और एसएसपी देहरादून अजय सिंह ने तीन पानी हरिद्वार रोड (नेपाली फार्म हाउस) पर बनाए गए स्टॉपेज केंद्र का भौतिक रूप से निरीक्षण किया। इसके साथ ही अधीनस्थों को दिशा निर्देश दिए। हरिद्वार से चारों धामों के लिए जाने वाला ट्रैफिक हरिद्वार से गुजरने के बाद देहरादून स्थित नेपाली फार्म पर भी वाहनों को चेक किया जाएगा। पंजीकृत यात्री वाहनों को ही आगे भेजा जाएगा। इससे चार धाम यात्रा के दौरान पहाड़ी क्षेत्रों में लगने वाले जाम से निजात मिलेगी जिससे चार धाम यात्रा सरल और सुगम्य होगी। विदित हो कि यात्रा रूट पर तीर्थ यात्रियों की भारी भीड़ देखने को मिल रही है। रायवाला स्थित तीन पानी पुलिया पर बने चारधाम यात्री स्टॉपेज सेंटर का शुक्रवार को डीएम देहरादून सोनिका और हरिद्वार डीएम धीराज गर्ब्याल ने निरीक्षण किया।

इजरायल को गोला-बारूद देकर 'पुराना कर्ज' उतार रहा था भारत

● स्पेन ने दिया झटका, भारत के एक शिप को आगे बढ़ने की नहीं दी इजाजत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत से इजरायल के लिए रवाना हुए एक डेनिश फ्लैग्ड शिप को स्पेन ने अपने पोर्ट पर रोकने की इजाजत नहीं दी। इस शिप में लगभग 27 टन गोला-बारूद ले जाया जा रहा था। स्पेन के विदेश मंत्री जोस मैनुएल अल्बेयर्स ने कहा कि पहली बार है जब

उनके देश ने इस तरह का कदम उठाया है। स्पेन की मीडिया के मुताबिक सरकार ने मैरियाने डेनिका नाम की शिप को इजाजत नहीं दी। चेन्नई से निकला यह शिप हाइफा के लिए रवाना हुआ था। इसमें 26.8 टन गोला-बारूद लादा गया था। भारतीय कंपनी सिद्धार्थ लॉजिस्टिक ने इसे इजरायल कार्गो लॉजिस्टिक के लिए भेजा था। पहली बार है जब स्पेन ने इजरायल के लिए गोला-बारूद के किसी शिप को रोका है। विदे मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जैसवाल ने कहा कि भारत को पता चला है कि एक शिव को स्पेन के पोर्ट पर रुकने की इजाजत नहीं मिली है।

वोटिंग परसेंटेज बढ़ने पर 'संग्राम' फिर सुप्रीम कोर्ट पहुंचा एडीआर

सीजेआई चंद्रचूड़ की पीठ ने कहा-जरूरत पड़ी तो रात भर सुनवाई के लिए बैठेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग से फाइनल वोटिंग परसेंटेज में हुई बढ़ोतरी को लेकर जवाब मांगा है। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) ने सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की थी और इस पर सुनवाई हुई। एडीआर ने अपनी याचिका में आशंका जताई कि ईवीएम मशीनों को रिप्लेस किया जा सकता है ताकि फाइनल वोटिंग परसेंटेज बढ़ाया जाए। सोमवार से ही कोर्ट की गर्मी की छुट्टियों शुरू हो रही हैं लेकिन वेकेशन बेंच इस याचिका पर सुनवाई करेगी। वहीं चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की पीठ ने चुनाव आयोग को 24 मई तक जवाब दाखिल करने का आदेश दिया है। इसके अलावा कोर्ट ने कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो हम मामले की सुनवाई के लिए पूरी रात बैठेंगे। एडीआर ने अपनी याचिका में वोटिंग परसेंटेज को लेकर संदेह जताया है। साथ ही उसने चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर भी संदेह जताया है। इसके अलावा एडीआर ने बैलट पेपर से वोटिंग करवाने की अपील की है। हालांकि चुनाव आयोग के वकील ने एडीआर की अर्जी पर सवाल खड़े किए। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग से पूछा कि वेबसाइट पर

मतदान के आंकड़ें डालने में क्या दिक्कत है। इस पर चुनाव आयोग के वकील ने कहा कि इसमें समय लगता है क्योंकि बहुत सारा डाटा इकट्ठा करना होता है।

हरियाणा में चलती बस में लगी आग, 10 जिंदा जले

24 गंभीर, नूंह में दर्दनाक हादसा, बस में सवार थे 60 यात्री

नूंह (एजेंसी)। हरियाणा में शनिवार को दर्दनाक घटना हुई है। यहां नूंह में टूरिस्ट बस आग की चपेट में आई। इस घटना में बस के अंदर बैठे 10 लोगों की जिंदा जलकर मौत हो गई, वहीं 24 लोग गंभीर रूप से जल गए हैं। हादसे के समय बस के अंदर 60 लोग सवार थे। मौके पर पुलिस और अफसरों की टीम पहुंची है। झुलसे लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सभी गंभीर यात्रियों को मेडिकल कॉलेज नलहड नूंह में भर्ती कराया गया है। मौके पर प्रशासनिक और पुलिस के अधिकारी मौजूद हैं। बताया जा रहा है कि सभी यात्री आपस में रिश्तेदार थे और धार्मिक यात्रा पर निकले थे। वे लुधियाना और होशियारपुर के रहने वाले थे। मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि हादसा देर रात लगभग डेढ़ बजे हुआ। टूरिस्ट बस में आग लगी। बस में सवार यात्री उत्तर प्रदेश के मथुरा- वृन्दावन से दर्शन करने गए थे और वहीं से वापस पंजाब-हरियाणा की तरफ लौट रहे थे। बस कुंडली-मानेसर-पलवल एक्सप्रेस पर थी। रात का समय था और ड्राइवर तेज रफ्तार में बस चला

रहा था। बस में आग कैसे और किस समय लगी उसे जानकारी नहीं हुई। कुछ ही पल में बस ने भयावह आग पकड़ ली। देर रात होने के कारण ज्यादा लोग हाईवे या आसपास मौजूद नहीं थे।

चंद्रयान-3 के बाद अब मंगलयान-2 की बारी

● इसरो जल्द ही करने वाला है एक और नया कारनामा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) जल्द ही नया ऐतिहासिक मील का पत्थर स्थापित करने वाला है। अब मंगल ग्रह पर रोवर और हेलीकॉप्टर उतारने का टारगेट है। इस प्रयास में अब तक केवल अमेरिका और चीन को ही सफलता मिली है। ऐसे में अंतरिक्ष की दुनिया में बड़े खिलाड़ी के रूप में भारत अपनी पहचान बनाएगा। इसरो के इस नए प्रोजेक्ट का नाम मंगलयान-2 रखा गया है। नेशनल टेक्नोलॉजी डे पर स्पेस एप्लीकेशन सेंटर में इस बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। यह अपने आपमें अभूतपूर्व मिशन है, जिसे इसरो की ओर से डेवलप भारत के सबसे भारी रॉकेट- लॉन्च व्हीकल मार्क का इस्तेमाल करके सतह से लॉन्च किया जाएगा। रिपोर्ट के मुताबिक, एयरबैग और रैंप जैसे पारंपरिक तरीकों को अलविदा कहने का यह समय है। इसरो का रोवर एडवांस्ड स्काई क्रेन के जरिए मंगल ग्रह पर लैंड करने के लिए तैयार है।

केजरीवाल के पीए बिभव कुमार सीएम आवास से हुए गिरफ्तार

स्वाति मालीवाल 'पिटाईकांड' में दिल्ली पुलिस का बड़ा ऐक्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के पीए बिभव कुमार को आम आदमी पार्टी (आप) सांसद स्वाति मालीवाल से कथित मारपीट के मामले में दिल्ली पुलिस ने हिरासत में लेने के बाद गिरफ्तार कर लिया है। दिल्ली पुलिस की टीम बिभव कुमार को पूछताछ के लिए सिविल लाइंस थाना लेकर आई है। पुलिस ने बताया कि उन्हें शनिवार को दिल्ली की तीस हजारी कोर्ट में पेश किया जाना है। रिपोर्ट के मुताबिक, एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि बिभव कुमार को दिल्ली पुलिस की एक टीम ने दोपहर के आसपास मुख्यमंत्री आवास से हिरासत में लिया था। बिभव कुमार को गिरफ्तार किए जाने के बाद आम आदमी पार्टी (आप) सांसद राघव चड्ढा भी सिविल लाइंस थाने पहुंच गए हैं।

हालांकि, बिभव कुमार के वकील करण शर्मा ने कहा कि हमें अभी तक पुलिस से कोई जानकारी नहीं मिली है। हमने उन्हें एक ई-मेल भेजा है कि हम जांच में सहयोग करने को तैयार हैं। साथ ही पुलिस को बिभव की शिकायत का भी संज्ञान लेना चाहिए।

अनुच्छेद 370 की जो दीवार थी उसे कब्रिस्तान में गाड़ दिया

● चुनावी रैली में खूब गरजे पीएम मोदी, इंडिया गठबंधन को जमकर सुनाया

मुंबई (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार शाम को मुंबई के शिवाजी पार्क में सार्वजनिक बैठक को संबोधित किया। इस दौरान कांग्रेस पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा, ये निराशा के गर्त में डूबे हुए वो लोग हैं, जिनको अनुच्छेद 370 का हटना भी असंभव लगता था। आज हमारी आंखों के सामने अनुच्छेद 370 की जो दीवार थी, उसे हमने कब्रिस्तान में गाड़ दिया है और जो ये सपने संजो रहे हैं कि वे कभी 370 का पुनर्जागरण करेंगे, फिर से लाएंगे तो वो कान खोलकर सुन लें। दुनिया की कोई ताकत दोबारा 370 नहीं ला सकती है।

पीएम मोदी ने कहा, एक तरफ मोदी के पास 10 साल का रिपोर्ट कार्ड है और 25 साल का रोडमैप भी है। दूसरी तरफ गठबंधन वालों के पास क्या है- जितने लोग उतनी बातें। जितने दल उतनी घोषणाएं और जितने दल उतने प्रधानमंत्री। उन्होंने कहा कि आज दुनिया का आधुनिकतम इंफ्रास्ट्रक्चर मुंबई को मिल रहा है।

परिवर्तन नहीं आया तो बहुत खतरनाक और भयावह होगा पश्चिम बंगाल

चुनाव प्रचार में कूदे फिल्म ऐक्टर मिथुन चक्रवर्ती, किया बड़ा दावा

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले में भाजपा नेता मिथुन चक्रवर्ती शुक्रवार शाम चुनावी जनसभा में पहुंचे। इस दौरान उन्होंने कहा कि मुझे जनसमर्थन देखकर सकारात्मक भावनाएं आ रही हैं। मिथुन ने कहा, मैं यहां पर जो जन-समुद्र देख रहा हूं उससे बहुत ही पॉजीटिव फिलिंग आ रही है। कौन क्या करता है और क्या बोलता है, ये सब नहीं... मैं एक्टर हूं और लोगों की बॉडी लैंग्वेज देखता रहता हूं। उन्होंने कहा कि राजनीति में आरोप लगाना कोई नई बात नहीं है। हम उससे हटकर कितना आगे जाएंगे, यह बड़ी बात है। मिथुन चक्रवर्ती से पूछा गया कि आप क्या मैसेज देना चाहेंगे। इसके जवाब में उन्होंने कहा,

बंगाल में परिवर्तन लाना बहुत जरूरी है और अगर अबकी बार नहीं आया तो इसके बाद का जो पश्चिम बंगाल होगा, वो बहुत खतरनाक होगा। बता दें कि पश्चिम बंगाल में लोकसभा चुनाव के 5वें चरण में 7 सीटों पर मतदान होना है। इसमें 1.25 करोड़ से अधिक मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। पांचवें चरण में सात संसदीय क्षेत्रों में 88 उम्मीदवार अपनी किस्मत आजमा रहे हैं।

इससे पहले चौथे चरण में 13 मई को छिटपुट हिंसा के बीच 80 प्रतिशत से अधिक मतदान हुआ था। आधिकारिक सूत्रों ने कहा कि 20 मई को 88 उम्मीदवारों में से 7 विजेताओं का चुनाव करना हैं।

सियासत के 'खेल' में उलझा प्रज्वल रेवन्ना सेक्स कांड

कुमारस्वामी को फंसाना चाहते हैं डीके, दिया 100 करोड़ का ऑफर

भाजपा नेता का बड़ा आरोप, कर्नाटक सेक्स स्कैंडल केस में और खुल रहीं परतें

बेंगलुरु (एजेंसी)। जेल में बंद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता जी देवराजेगौड़ा ने आरोप लगाया कि उन्हें कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने जेडीएस के प्रदेश अध्यक्ष एचडी कुमारस्वामी पर हासन के सांसद प्रज्वल रेवन्ना द्वारा यौन उत्पीड़न वीडियो वाले पेन ड्राइव लीक करने का आरोप लगाने के लिए 100 करोड़ रुपये की पेशकश की गई थी। जमानत पर सुनवाई के बाद शुक्रवार को हासन में मीडिया से बात करते हुए देवराजेगौड़ा ने कहा, उन्होंने मुझे 100 करोड़ रुपये की पेशकश की थी। बेंगलुरु के बॉरिंग क्लब के कमरा नंबर 110 में एडवांस के तौर पर पांच करोड़ रुपये भेजे

गए थे। उन्होंने आरोप लगाया कि डीके शिवकुमार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की छवि खराब करना चाहते हैं और कुमारस्वामी की प्रतिष्ठा खराब करना चाहते हैं। उन्होंने दावा किया कि कृषि मंत्री एन चालुवरायस्वामी, राजस्व मंत्री कृष्णा बायरे गौड़ा और ग्रामीण विकास एवं पंचायत राज मंत्री प्रियांक खड़गे समेत चार मंत्रियों की एक समिति पूरे मामले को संभाल रही है। लोकसभा चुनाव के लिए कर्नाटक में भाजपा और जद (एस) गठबंधन सहयोगी हैं।

प्रशांत किशोर से मिले पप्पू यादव, लोकसभा चुनाव के बीच बिहार का सियासी पारा हाई

पूर्णिया, एजेंसी। बिहार की पूर्णिया लोकसभा सीट से निर्दलीय चुनाव लड़े पप्पू यादव ने शुक्रवार को चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर से मुलाकात की। इस मीटिंग के बाद बिहार का सियासी पारा गर्मा गया है। चुनावी माहौल के बीच दोनों नेताओं के मिलने से राजनीतिक गलियारे में चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है। हालांकि, अभी तक दोनों नेताओं की ओर से मीटिंग के एजेंडे के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है। हालांकि, चर्चा है कि पप्पू यादव और पीके के बीच बिहार के मौजूदा राजनीतिक परिदृष्य और 2025 के बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर मंत्रणा हुई है।

पप्पू यादव ने लोकसभा चुनाव से ठीक पहले अपनी जन अधिकार पार्टी का कांग्रेस में विलय कर दिया था। वे कांग्रेस के टिकट पर पूर्णिया से चुनाव लड़ना चाहते थे, लेकिन आरजेडी ने यह सीट अपने पास रख दी और विधायक बीमा भारती को कैंडिडेट बना दिया। इसके बाद पप्पू यादव निर्दलीय मैदान में उतर गए। हालांकि, इस चुनाव में वह कमाल कर पाएंगे या नहीं, यह तो 4 जून को नतीजे आने के बाद ही साफ हो पाएगा।

पप्पू यादव की बगावत के बावजूद कांग्रेस ने उनके खिलाफ कोई अनुशासनात्मक कार्रवाई नहीं की। पूर्णिया में वोटिंग होने के बाद पप्पू यादव खुद को राहुल गांधी की पार्टी का सच्चा सिपाही बताते हुए कांग्रेस के लिए प्रचार में जुटे हैं। शुक्रवार को भी उन्होंने पटना साहिब में कांग्रेस प्रत्याशी अंशुल अभिजीत के समर्थन में प्रचार के लिए कार्यकर्ताओं की बैठक ली।

वहीं, जनसुराज अभियान के प्रणेता प्रशांत किशोर लोकसभा चुनाव में कुछ खास दिलचस्पी नहीं दिखा रहे हैं। पहले चर्चा थी कि वह बिहार की कुछ सीटों पर अपने प्रत्याशी उतार सकते हैं या फिर निर्दलीय कैंडिडेट को समर्थन दे सकते हैं। हालांकि, उनका पूरी तरह फोकस 2025 के विधानसभा चुनाव पर है। वे बिहार चुनाव से पहले जनसुराज को राजनीतिक दल में बदलकर मैदान में उतर सकते हैं।

साल 2020 में बिहार विधानसभा चुनाव से पहले पप्पू यादव ने प्रशांत किशोर को साथ आने का निमंत्रण दिया था। उस समय पप्पू यादव जन अधिकार पार्टी के अध्यक्ष थे और किसी भी गठबंधन में शामिल नहीं थे। उन्होंने कहा था कि बिहार की जनता नया गठबंधन चाहती है। पीके, कन्हैया कुमार जैसे नई सोच के नेता इसमें शामिल होने चाहिए। हालांकि, बाद में कन्हैया कुमार कांग्रेस में शामिल हो गए और पप्पू यादव ने भी अपनी पार्टी जाप का विलय लोकसभा चुनाव 2024 से पहले कांग्रेस में कर दिया था।

लखीसराय में आपसी रंजिश में फायरिंग, एक महिला की मौत, दूसरी की हालत नाजुक

लखीसराय, एजेंसी। लखीसराय में अपराधियों ने दो महिलाओं को गोली मार दी है। जिसमें एक की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं दूसरे की हालत गंभीर है। उसे इलाज के लिए सदर अस्पताल में लाया गया है। मृत महिला की पहचान लालू यादव की पत्नी बसंती देवी (25) के रूप में हुई है। वहीं जख्मी की पहचान रामजी यादव की पत्नी लाछो देवी (70) के रूप में हुई है। घटना नगर थाना क्षेत्र के धर्मरायचक मोहले की है। घटना की सूचना मिलते ही एसपी पंकज कुमार, एसडीपो शिवम कुमार घटना स्थल पर पहुंच कर मामले की जांच में जुट गए है। एसपी पंकज कुमार ने बताया कि 2022 से ही इलाके के अवध यादव और अशोक साव के बीच आपसी विवाद चला आ रहा है। कुछ लोग जमीन विवाद की बात करते हैं, लेकिन मवेशी को लेकर भी पहले भी विवाद हो चुका है। तीन दिन पहले एक नवजात बच्ची को भी सिर में गोली मारी गई थी। दूसरे दिन भी एक युवक के साथ मारपीट की गई थी। एसपी पंकज कुमार ने बताया कि आज शनिवार की सुबह अशोक साव अपने भाइयों के साथ मिल कर अवध यादव के रिश्तेदार जीतो यादव के घर पहुंचा और फायरिंग की।

संक्षिप्त समाचार

कुढ़नी में डिफरियेंटेड टीबी केयर पर कार्यशाला

मुजफ्फरपुर/कुढ़नी, एजेंसी। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कुढ़नी के साभागार में शुक्रवार को डिफरियेंटेड टीबी केयर पर कार्यशाला हुई, जिसका उद्घाटन जिला संचारी रोग पदाधिकारी डॉ सीके दास, एपीएचसी तुर्की की चिकित्सा पदाधिकारी डॉ सुष्मिता पुष्पम, एपीएचसी मनियारी के चिकित्सा पदाधिकारी गौतम कुमार राकेश ने संयुक्त रूप से किया। कार्यशाला में दिल्ली से पहुंचे चाई संस्था से रुद्रांशी वैष्णव, जिला को-ऑर्डिनेटर आशुतोष कुमार, राकेश वर्मा ने टेक्निकल पुटों को रखा। डॉ सीके दास ने टीबी मरीजों का 11 फिजिकल व पांच लैब टेस्ट करने की बिंदुवार जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सहित सभी अतिरिक्त प्राथमिक केंद्र, हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर पर डिफरियेंटेड टीबी केयर का कार्यक्रम चलेगा। इस मौके पर प्रखंड सामुदायिक उत्प्रेरक सह स्वास्थ्य प्रबंधक टप्पू गुप्ता, एसटीएस राजमोहन राम, एसटीएलएस शंभु ठाकुर, भंडारपाल प्रभुनंदन सिंह, फाइलेरिया इंचार्ज संजीत झा, एलटी राजकुमार चौधरी, विजय कुमार, एलटी, सीएचओ, जीएनएम, एनएनएम मौजूद थी।

सड़क हादसे में रिटायर्ड शिक्षक के बेटे की मौत, बेलगाम ट्रक ने रौंदा

आरा (भोजपुर), एजेंसी। भोजपुर के पीरो थाना क्षेत्र के लमारी टोला के समीप शनिवार की सुबह बेलगाम ट्रक ने बाइक सवार रिटायर्ड शिक्षक के पुत्र को रौंद दिया। इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाने के दौरान रास्ते में उसकी मौत हो गई। वहीं घटना के बाद चालक ट्रक लेकर मौके से फरार हो गया। मृतक की पहचान पीरो थाना के राजापुर गांव निवासी सह रिटायर्ड शिक्षक कन्हैया सिंह के बेटे राजू नंदन सिंह (24) के रूप में हुई है। इधर, मृतक के पिता सह रिटायर्ड शिक्षक कन्हैया सिंह ने बताया कि उनके रिश्तेदार सह उनके ही साथ रिटायर्ड हुए शिक्षक जनार्दन सिंह के चौथे पुण्यतिथि में शामिल होने के लिए शुक्रवार की शाम उनका पुत्र बाइक से पीरो थाना क्षेत्र के बंभवार गांव गया था। शनिवार की सुबह जब वह बाइक से वापस घर लौट रहा था। उसी दौरान लमारी टोला के समीप बेलगाम ट्रक ने उसे रौंद दिया। जिससे वह बुरी तरह घायल हो गया। इसके बाद स्थानीय ग्रामीण द्वारा फोन कर इसकी सूचना उन्हें दी। सूचना पाकर परिजन फौरन घटनास्थल पर पहुंचे और उसे गंभीर हालत में इलाज के लिए आरा अस्पताल ला रहे थे। तभी उसने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। बावजूद इसके परिजन उसे इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल ले आए। जहां चिकित्सक ने देख उसे मृत घोषित कर दिया। इसके पश्चात परिजन द्वारा इसकी सूचना सदर अस्पताल में पदस्थापित पुलिस पदाधिकारी को दी। सूचना पाकर पुलिस सदर अस्पताल पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर उसका पोस्टमार्टम करवाया। बताया जाता है मृतक अपने तीन भाई व चार बहन में दूसरे स्थान पर था। घटना के बाद मृतक के घर में कोहराम मच गया है। घटी इस घटना के बाद मृतक की मां शिवकुमारो देवी एवं परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

बंदोबस्ती से होने वाली आमदनी कोषागार में जमा कराएंगे स्कूल

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। स्कूल की जमीन, तालाब, पोखर की वार्षिक बंदोबस्ती से होने वाली आमदनी राजकीय कोषागार में जमा होगी। स्कूल इस राशि का उपयोग नहीं करेंगे। सभी हेडमास्टर को इसको लेकर शिक्षा विभाग ने निर्देश दिया गया है। बैंक खातों में संचित एवं अव्यवहृत राशि को राज्य की समेकित निधि में जमा करने को लेकर सभी अधिकारियों और हेडमास्टर को निर्देश दिया गया है। विभाग की समीक्षा में यह पाया गया कि बेसिक स्कूलों में काफी संख्या में खाते खुले हुए हैं और उनमें राशि भी काफी जमा हुई हैं। जिन विद्यालयों में अत्यधिक जमीन होने के कारण अथवा तालाब-पोखर होने के कारण उसकी वार्षिक बंदोबस्ती बतौर मेला, कृषि कार्य, मछली पालन इत्यादि के तौर पर किया गया है, उसे सैरात के तौर पर आमदनी समझा जाए। यह बंदोबस्ती प्रधानाध्यापक की ओर से नीलामी बोलकर प्रति वर्ष की जाती है।

10 दिन में फंड भेजें, वरना रुकेगी केके पाठक की सैलरी, पटना हाई कोर्ट का शिक्षा विभाग को निर्देश

यूनिवर्सिटी के खाते फिज करने के आदेश पर रोक

पटना, एजेंसी। पटना हाई कोर्ट ने शिक्षा विभाग को राज्य के विश्वविद्यालयों के लिए वित्तीय वर्ष 2023-24 के स्वीकृत बजट का पैसा दस दिनों के भीतर जारी करने का आदेश दिया है। साथ ही कहा कि पैसा नहीं दिए जाने पर शिक्षा विभाग के आला अधिकारियों के वेतन पर रोक लगा दी जाएगी। कोर्ट ने तीन विश्वविद्यालयों के खाता संचालन पर पाबंदी के शिक्षा विभाग के आदेश पर भी रोक लगा दी है पटना हाई कोर्ट ने सभी विश्वविद्यालयों के खातों के संचालन पर रोक लगाने और कुलपतियों के बैठक में भाग नहीं लेने के मामले पर सुनवाई करते हुए ये आदेश दिए हैं। जस्टिस अंजनी कुमार शरण की सिंगल बेंच ने मामले की सुनवाई की। अगली सुनवाई 25 जून को की जाएगी। बता दें कि एसीएस केके पाठक के निर्देश पर शिक्षा विभाग ने विश्वविद्यालयों के बजट की समीक्षा के लिए बैठक बुलाई थी। इसमें भाग नहीं लिए जाने पर विश्वविद्यालय के सभी खातों के संचालन पर अगले आदेश तक रोक लगा दी थी।

तीन यूनिवर्सिटी के खाते हुए थे फिज

कोर्ट मे विश्वविद्यालयों की ओर से अधिवक्ता सिद्धार्थ प्रसाद, विंध्याचल राय, रितेश कुमार, राणा विक्रम सिंह, मो. असहर मुस्तफा, राजेश प्रसाद चौधरी शामिल हुए। उन्होंने बताया कि बिहार सरकार ने 16 मई को पत्र जारी कर विश्वविद्यालयों के बजट की समीक्षा के लिए बैठक बुलाई थी। इसमें भाग नहीं लिए जाने पर विश्वविद्यालय के सभी खातों के संचालन पर अगले आदेश तक रोक लगा दी थी। कोर्ट को बताया गया कि मौलाना मजहरुल हक अरबी-फारसी विश्वविद्यालय, पूर्णिया विश्वविद्यालय एवं मुंगेर विश्वविद्यालय के खातें को सीज किया गया है। शिक्षा विभाग ने तीनों विश्वविद्यालयों के कुलपतियों से शो कॉज किया है। विभाग ने यह पूछा है कि क्यों नहीं उन्हें पदच्युत करने की कार्रवाई प्रारंभ की जाए।

बाल-बाल बचे चिराग पासवान; चुनावी रैली में टला हादसा, धराशायी होने वाला था कई फीट ऊंचा मंच

सीतामढ़ी, एजेंसी। सीतामढ़ी के नरंगा में चुनावी रैली के दौरान लोजपा (आर) के अध्यक्ष चिराग पासवान बाल-बाल बच गए। जब चुनावी सभा के दौरान एक बड़ा हादसा टल गया। दरअसल जब चुनावी सभा खत्म हो गई तब सुरक्षा व्यवस्था को धता बताते हुए बड़ी संख्या में लोग मंच पर पहुंच गए। नरंगा उत्तरी पंचायत के मुखिया व मुखिया संघ के जिलाध्यक्ष भारत भूषण समेत दर्जनों लोग सभा के अंत में लोजपा में शामिल हुए। चिराग पासवान ने तमाम लोगों को पार्टी की सदस्यता दिलाई। इसी बीच तरतराहट की आवाज आई और मंच करीब 4 इंच नीचे धंस गया। हालांकि कई फीट ऊंचा मंच पूरी तरह धराशाई नहीं हुआ। इस घटन में किसी को कोई चोट नहीं आई है। वहीं चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए चिराग पासवान ने कहा कि देश पर इमरजेंसी थोपने वाले आज लोकतंत्र व संविधान बचाने की बात कर रहे हैं। लोकतंत्र, संविधान और आरक्षण पर विपक्षी दल झूठ फैला रहे हैं। असल में लोकतंत्र, संविधान और आरक्षण को विपक्षी दलों से खतरा है। शुक्रवार को परिहार के नरंगा गांव में जदयू प्रत्याशी देवेशचंद्र ठाकुर के समर्थन में आयोजित चुनावी सभा में लोजपा आर के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने लोगों से देवेश चंद्र ठाकुर को वोट देकर जिताने की अपील की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री चाहते हैं कि सीतामढ़ी में माता सीता का भव्य मंदिर बने। विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भारत है, तो यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की देन है। जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा ने कहा कि देवेश चंद्र ठाकुर की जीत से न सिर्फ नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बनेंगे, बल्कि इससे नीतीश कुमार, चिराग पासवान, जीतन राम मांझी एवं उपेंद्र कुशवाहा को भी मजबूती मिलेगी। सभा को विधान पार्षद रेखा कुमारी, पूर्व विधायक रामनरेश यादव, ऋषिकेश झा, रामजीवन प्रसाद, बिकाऊ महतो आदि ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता लोजपा प्रखंड अध्यक्ष बेचू पासवान ने तथा संचालन बथुआरा पंचायत के मुखिया धनेश्वर पासवान ने किया।

मुरौल में पिलखी के किसान की हत्या कर फेंका

मुजफ्फरपुर/मुरौल, एजेंसी। मुरौल में बदमाशों ने किसान की हत्या कर शव को कृषि फार्म की चहारदीवारी से सटे बूढ़ी गंडक नदी बांध किनारे फेंक दिया। वह गुरुवार की शाम मवेशी के लिए बाइक से चोकर लाने गया था। शुक्रवार सुबह स्थानीय लोगों की शव पर नजर पड़ी तो इलाके में सनसनी फैल गई। उसकी पहचान पिलखी पंचायत के पिलखी जुरावनपट्टी गांव के स्व. ढोढा राम के पुत्र शिवजी राम (45) के रूप में की गई है। उसके सिर पर गहरे चोट का निशान है। सूचना पर दलबल के साथ पहुंचे सकरा थानाध्यक्ष ने छानबीन की। वहीं, शव को पोस्टमार्टम के लिए एसकेएमसीएच भेज दिया। शिवजी राम के पुत्र ओमप्रकाश कुमार ने पुलिस को बताया कि गुरुवार शाम मवेशी के लिए चोकर लाने के लिए पापा बाइक से पिलखी चौक गए थे। उसने आशंका जताई है कि बदमाशों ने अगवा कर 70 हजार नकद, बाइक व मोबाइल लूट कर उनकी हत्या कर दी है। शव को मुरौल कृषि फार्म के पास गंडक नदी बांध किनारे फेंक दिया। उसने बताया कि पापा किसानी के अलावा मवेशी खरीद-बिक्री का काम भी करते थे।

मुजफ्फरपुर-पूसा सड़क जाम कर किया प्रदर्शन

पोस्टमार्टम के बाद शिवजी राम का शव गांव लाया गया। घटना से अक्रोशित परिजन और ग्रामीणों ने मुजफ्फरपुर-पूसा सड़क स्थित पिलखी पुल चौक पर शव रख दिया। उसके बाद टायर जलाकर प्रदर्शन किया। वे लोग अनुदान देने, बाइक, नकद, मोबाइल बरामद करने के साथ बदमाशों की गिरफ्तारी की मांग कर रहे थे। जाम के कारण करीब एक घंटे तक मार्ग से आवागमन बाधित रहा। सूचना पर पंचायत की मुखिया डॉ प्रज्ञा कुमारी, सरपंच पति, सकरा थानाध्यक्ष ने पुलिस टीम के साथ पहुंचकर अक्रोशित लोगों को समझा कर शांत कराया।

गुरुवार रात नौ बजे तक ऑन था मोबाइल

पुत्र ओमप्रकाश ने बताया कि गुरुवार रात करीब नौ बजे तक पापा का मोबाइल ऑन था। उसके बाद कभी पहुंच से बाहर तो कभी बंद बताने लगा। अनहोनी की आशंका को लेकर खोजबीन की गई, लेकिन सुराग नहीं मिला। शुक्रवार सुबह सूचना मिली कि मुरौल में शव फेंका हुआ है। वहां पहुंचा तो शव की पहचान की। उसने बताया कि पापा ठेका और बंटाई पर जमीन लेकर खेती करते थे, जिसके कारण पापा के बटुआ में हमेशा साठ से 70 हजार रुपए रहता था। पैर की अंगुली, सिर के अलावा कई जगहों पर जख्म के निशान से प्रतीत होता है कि, उनकी बेरहमी से हत्या की गई है। इधर, सकरा थानाध्यक्ष राजू कुमार पाल ने बताया कि मुरौल कृषि फार्म के पास बूढ़ी गंडक नदी बांध किनारे शव मिला है। प्रथम दृष्टया मामला हत्या का प्रतीत हो रहा है। पुलिस जहांगीरपुर मुरौल से लेकर पिलखी चौक तक जगह-जगह लगे सीसीटीवी कैमरे का वीडियो फुटेज खंगाल रही है। शीघ्र ही बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। परिजनों की ओर से आवेदन मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

मुकेश सहनी ने लगाया बड़ा आरोप - विधानसभा चुनाव में टिकट के लिए अभी से 10-10 लाख रुपए ले रहे सम्राट चौधरी

पटना, एजेंसी। बिहार के पटना एयरपोर्ट पर मीडिया से बात करते हुए वीआईपी प्रमुख मुकेश साहनी ने सम्राट चौधरी पर बड़ा आरोप लगाया है. उन्होंने साफ-साफ कहा है कि सम्राट चौधरी जाल बिछा रहे हैं कि 10 लाख रुपए लाओ और विधानसभा के लिए सिफारिश कराओ. उन्होंने कहा यह बिल्कुल सच्चाई है. पूरे भाजपा में यही चल रहा है. इस दौरान उन्होंने भाजपा पर चंदा दो धंधा लो लेकर निशाना साधा.

सम्राट चौधरी पर निशाना: सम्राट चौधरी के उस बयान पर जिसमें उन्होंने कहा था कि सभी भ्रष्टाचारियों को ठोक के जेल में डालेंगे. इसपर मुकेश सहनी ने कहा कि बिल्कुल सही कहा है. जिन्होंने कॉर्पोरेट से चंदा लिया जिन्होंने कॉर्पोरेट से चंदा लेकर अपना ऑफिस बनाया उसपर भी कार्रवाई होनी चाहिए. चंदा का धंधा बीजेपी के लोगों ने किया है. जिस कंपनी ने भाजपा को चंदा नहीं दिया उस पर ईडी और सीबीआई की छापेमारी हुई. ऐसे भ्रष्टाचार पर सम्राट चौधरी क्यों नहीं बोलते हैं?

गिरिराज सिंह के बयान पर पलटवार: केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह का मदरसा वाले बयान पर मुकेश सहनी ने कहा कि इन लोगों का वश चले तो मदरसा, गुरुकुल और स्कूल सब को बंद कर देंगे. क्योंकि यह लोग चाहते हैं कि गरीब का बच्चा नहीं पढ़े. शुद्र वाला काम करें. कहा कि अगर मदरसा आतंक का अड्डा है तो केंद्र में बीजेपी की सरकार है. आरोपी को खोजकर कार्रवाई क्यों नहीं करती हैं?

मासूम के सिर पर एस्बेस्टस गिरने से मौत

दरभंगा/कटरा, एजेंसी। थाना क्षेत्र के अनगोआ गांव में शुक्रवार सुबह सोई हुई बच्ची के सिर पर एस्बेस्टस गिर जाने से बुरी तरह जख्मी हो गई। आनन-फानन में परिजन उसे डीएमसीएच ले गए, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। उसकी पहचान सुमित ठाकुर की पुत्री आनवी कुमारी (3) के रूप में की गई है। दरभंगा जिले के बेंता थाने की पुलिस ने पोस्टमार्टम कराकर शव को परिजनों को सौंप दिया। आनवी के दादा विनोद ठाकुर ने बताया कि बच्ची घर के बरामदे में चौकी पर सोई हुई थी। अचानक एस्बेस्टस का एक हिस्सा टूटकर उसके सिर पर गिर गया। उन्होंने बताया कि पुत्र सुमित दिल्ली में मजदूरी करता है। पुत्री की मौत से मां खुशबू देवी का रो-रोकर बुरा हाल है।

समस्तीपुर समेत बिहार के इन 10 जिलों में स्वीट बेबी कॉर्न लायेगी किसानों के चेहरे पर चमक

समस्तीपुर, एजेंसी। बिहार में व्यावसायिक खेती को बढ़ावा देने के लिए समस्तीपुर समेत 10 जिलों में स्वीट बेबी कॉर्न की खेती की जायेगी। इन 10 जिलों में समस्तीपुर में होनेवाली खेती का लक्ष्य कृषि विभाग ने तय कर दिया है। साथ ही डीएम व जिला कृषि पदाधिकारी को निर्धारित लक्ष्य के अनुसार स्वीट बेबी कॉर्न की खेती का काम कराने का निर्देश दिया है। इसे वित्तीय वर्ष 2024-25 में ही लागू करने का निर्देश है। स्वीट बेबी कॉर्न की खेती कराने का उद्देश्य यह है कि किसानों की आमदनी में बढ़ोतरी के लिए नगदी फसलों को प्रोत्साहित किया जाये। बाजार में अच्छी कीमत के चलते स्वीट बेबी कॉर्न उत्पादन से किसानों की आय में वृद्धि होगी। योजना का कार्यान्वयन 10 जिलों पटना, नालंदा, गया, समस्तीपुर, वैशाली, बेगूसराय भागलपुर, सुपौल, पूर्णिया व किशनगंज में किया जायेगा।

किसानों के बीच होगा बीज वितरण : अनुदानित दर पर बीज वितरण कार्यक्रम को सम्मिलित किया गया है। बीज वितरण के लिए कृषकों का चयन कर किया जायेगा। किसानों को ससमय बीज उपलब्ध कराने की जवाबदेही जिला कृषि पदाधिकारी की होगी।

अररिया में एक तरफा प्यार में युवती की हत्या

अररिया, एजेंसी। अररिया में एक तरफा प्यार में युवती की हत्या कर दी गई। उसका शव घर से कुछ दूरी पर पेड़ से लटका मिला। शव को देखने के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। जिसके बाद स्थानीय लोगों इसकी जानकारी भरगामा थाना पुलिस को दी। घटना भरगामा प्रखंड क्षेत्र के मनुल्लाहपट्टी पंचायत के वार्ड संख्या 6 की है। मृतका की पहचान संजय पासवान की बेटी गुड़िया कुमारी (18) के रूप में हुई है। 10 जून को उसकी शादी होनी थी। परिजनों का कहना है कि शुक्रवार सुबह हमेशा की तरह टहलने निकली थी। इसी दौरान पड़ोस के ही एक युवक ने उसका अपहरण कर लिया और गला दबाकर हत्या कर दी। इसके बाद उसी के दुपट्टे से शव को पेड़ से लटका दिया। पहले भी वो शादी तोड़ने का प्रयास कर चुका था। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है। पोस्टमॉर्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है।

घर से टहलने निकली थी

मृतका के चाचा विजय पासवान ने बताया कि उनकी भतीजी गुड़िया कुमारी शुक्रवार की सुबह करीब चार बजे घर से बाहर टहलने निकली थी। इसी दौरान पहले से घात लगाए पड़ोसी रामदेव पासवान का पुत्र किशन कुमार ने उसके मुंह में कपड़ा डालकर अपहरण कर लिया। फिर गले में दुपट्टा लगाकर हत्या कर उसके शव को एक पेड़ पर टांग दिया।

शादी के कार्ड भी छप चुके थे

गुड़िया के पिता संजय पासवान के मुताबिक, गुड़िया इंटर की छात्रा थी और उसकी शादी रानीगंज थाना क्षेत्र के हांसा पंचायत में आगामी दस जून को होनी थी। उसकी शादी का कार्ड भी छप चुका था।

रिश्ता तोड़ने का भी किया प्रयास

संजय पासवान ने बताया कि एक महीने पहले उसका फलदान हुआ था। इस बात की जानकारी किशन कुमार को भी थी। इसी बीच किशन ने अपने सहयोगी के साथ मिलकर उसका रिश्ता भी बिगाड़ने का प्रयास किया था। जिस पर मेरे संबंधी सुभाष पासवान ने हम लोगों को इसकी जानकारी भी दी थी। उन्होंने बताया कि शगुन का कपड़ा फर्नीचर और जरूरत का सामान भी लड़के पक्ष को दे दिया गया था। घर में उसकी शादी की तैयारी शुरू हो चुकी थी, लेकिन गुरुवार रात इस घटना ने पूरे परिवार को मर्माहत कर दिया।

रिपोर्ट आने के बाद होगी कार्रवाई

थानाध्यक्ष मनीष कुमार ने बताया शुरुआती जांच में मामला संदेहास्पद प्रतीत होता है। मृतका के गले के आगे वाले हिस्से पर रस्सी का गहरा जख्म दिख रहा है। जबकि गले के पीछे वाले हिस्से पर कोई भी निशान मौजूद नहीं है। जबकि प्रशासन के पहुंचने से पहले हीं ग्रामीण व परिजन के सहयोग से शव को पेड़ से उतार लिया गया था। फिलहाल परिजन की ओर से आवेदन नहीं दिया गया है। जांच रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

STONE CLINIC MOTIHARI
स्टोन क्लिनिक मोतिहारी
शास्त्री नगर, महिला कॉलेज रोड, मोतिहारी
डॉ. मीना
MBBS,DGO, DNB, (OBG), FMAS
स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ

लोकतन्त्र को मजबूत करने का महापर्व मतदान : प्रो. प्रसूनदत्त सिंह

केन्द्रीय विश्वविद्यालय द्वारा निकाली गई भव्य प्रभात फेरी

बीएनएम। मोतिहारी

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय मोतीहारी बिहार के राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) द्वारा मतदाताओं के बीच जागरूकता लाने के लिए विशाल प्रभात फेरी का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के मुख्य कुलानुशासक एवं गांधी भवन परिसर के परिसर-निदेशक प्रो० प्रसून दत्त सिंह जी ने छात्रों को सम्बोधित करते हुए कहा कि मतदान करना हम सभी का नैतिक दायित्व है और इस दायित्व से हमें वंचित नहीं होना चाहिए क्योंकि यह लोकतंत्र को मजबूत करने वाला पर्व है। जिस प्रकार होली, दीपावली इत्यादि पर्व का हम प्रसन्नता के साथ आयोजन एवं उसमें सहभागिता करते हैं, उसी प्रकार से लोकतंत्र में मतदान एक पर्व के समान होता है। प्रत्येक नागरिक जो 18 वर्ष से ऊपर हैं और जिसका नाम मतदाता सूची में है, उन्हें अपना मतदान अवश्य करना चाहिए। मतदान के द्वारा ही लोकतंत्र को प्रबलता मिलती है और यह सुनिश्चित होता है कि हमने जिसे मतदान किया है वह हमारा और इस राष्ट्र के विकास में अहम भूमिका निभाएगा। इससे पूर्व असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ श्वेता ने छात्रों को इस रैली के विषय में अवगत कराते हुए मतदान की महत्ता बतलाई। तत्पश्चात् सभी शिक्षकों की उपस्थिति में हरी झंडी दिखाकर फेरी को रवाना किया गया। यह प्रभात फेरी महात्मा गाँधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय के जिला स्कूल परिसर से होकर चरखा पार्क तक गई। रास्ते में लोगों को जागरूक करने के लिए विभिन्न पोस्टर एवं तख्तियों को प्रदर्शित करते हुए नारों से लोगों को जागरूक किया गया। जैसे - 'आपका मतदान - देश का कल्याण', 'पहले मतदान - फिर जलपान', 'चुनाव का पर्व - देश का गर्व' और 'जागरूक मतदाता - भारत का भाग्य विधाता' इत्यादि नारों से लोगों में जन जागृति लाने का प्रयास किया गया जिससे अधिकाधिक संख्या में मतदान में सम्मिलित होकर अपना अमूल्य मतदान करें। रैली चरखा पार्क में जाकर समाप्त हुई। इस रैली में विश्वविद्यालय के विभिन्न परिसरों एवं विभागों के शिक्षकगण उपस्थित रहे, जिनमें प्रो राजेंद्र सिंह, डॉ श्याम कुमार झा, डॉ युगल दाधीच, डॉ बबलू पाल, डॉ श्वेता, डॉ गोविन्द प्रसाद वर्मा, डॉ गरिमा तिवारी, डॉ प्रेरणा भादुरी, डॉ पंकज सिंह, डॉ शिवेन्द्र सिंह, डा श्याम बाबू, डॉ कुन्दन कुमार, डॉ उमेश कुमार इत्यादि ने रैली में छात्रों के साथ-साथ प्रतिभाग करते हुए लोगों को जागरूक किया, ताकि वह अपने एक मत के महत्त्व को समझ सकें और शत-प्रतिशत मतदान करें। इस प्रभात फेरी में एसएसबी के जवानों का भी विशेष सहयोग प्राप्त रहा, जिसमें एसएसबी के अधिकारी सहित 15 जवान सम्मिलित रहे। इस पूरी रैली में विश्वविद्यालय के छात्र, शोधच्छात्र और कर्मचारियों सहित तीन सौ से अधिक स्वयंसेवक सम्मिलित रहे।

अपने अधिकारों का आओ सम्मान करें, चलो मतदान करें- मैथिली ठाकुर

बीएनएम। मोतिहारी

मोतिहारी। स्टेट स्वीप आइकॉन व सुप्रसिद्ध लोक गायिका मैथिली ठाकुर के द्वारा मतदाता जागरूकता अभियान के तहत शनिवार को जिला के अरेराज अनुमंडल कार्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में सीधे मतदाताओं से जुड़कर आगामी 25 मई को छठे चरण में पूर्वी चंपारण संसदीय क्षेत्र के लिए निर्धारित मतदान की तिथि को मतदान करने की अपील की गई। मैथिली ठाकुर ने कहा कि मुझे भी पहली बार मतदान का अवसर मिल रहा है, मैं बहुत गौरवान्वित हूं और इसको लेकर उत्साहित हूं। मैं मधुबनी में अपना मतदान करूंगी। आप सभी लोग भी अपना मतदान करें एवं आस - पड़ोस, सगे-संबंधी सभी को मतदान के लिए जागरूक करें। कार्यक्रम का आयोजन जिला प्रशासन के सौजन्य से अनुमंडल कार्यालय अरेराज में किया गया जहां अनुमंडल पदाधिकारी एवं डीसीएलआर अरेराज के द्वारा मैथिली ठाकुर का बुके देकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर भारी संख्या में उपस्थित मतदाताओं को संबोधित करते हुए अनुमंडल पदाधिकारी ने कहा कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है जिसका आधार चुनाव है और चुनाव की महत्ता मतदान से है। उन्होंने सभी मतदाताओं से 25 मई को अपने-अपने मतदान केंद्र पर जाकर मतदान करने की अपील की। यहां पर उपस्थित जन समुदाय को मतदाता जागरूकता शपथ दिलाई गई। इसके पश्चात सुश्री ठाकुर का संगीत मय कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। उन्होंने मतदाता जागरूकता गीत-अपने अधिकारों का आओ सम्मान करें, चलो मतदान करें गाकर सभी का ध्यान आकर्षित किया। इसके बाद राष्ट्रवाद से ओत-पोत, जहां डाल-डाल पर सोने की चिड़िया करती है बसेरा वह भारत देश है मेरा लाकर लोगों का दिल जीत लिया। इनकी सोहर और लोकगीतों को लोगों ने काफी पसंद किया। उन्होंने जुग-जुग जिया हो ललनवा भवनवा के भाग जागल हो, आजु मिथिला नगरिया निहाल सखिया, कोयल बिन बगिया ना शोभे राजा एवं छठ गीत केलवा के पात पर उगेलन सूरज देव गाकर लोगों को मंत्र मुग्ध कर दिया। सुश्री ठाकुर ने कहा कि बिहार के जिस जिला में मतदान प्रतिशत सर्वाधिक रहेगा वहां निर्वाचन आयोग की तरफ से में पुनः आऊंगी और प्रस्तुति दूंगी। पूर्वी चंपारण के मतदाताओं से अपील है कि सभी लोग अपना मतदान जरूर करें। इस अवसर पर अनुमंडल पदाधिकारी, डीसीएलआर, एसडीपीओ अरेराज सहित अनुमंडल के कर्मिगण एवं बड़ी संख्या में जीविका दीदी, आंगनबाड़ी सेविका,सहायिका सहित अन्य मतदाता उपस्थित रहे।

मोतिहारी के आदर्श कुमार को मिली 30 लाख की छात्रवृत्ति

जयश्री पेरिवाल इंटरनेशनल स्कूल में IBDP पाठ्यक्रम के लिए

बीएनएम। मोतिहारी

सोलह वर्षीय आदर्श कुमार जो केसरिया विधानसभा के पुरैना गाँव से आते हैं, उन्हें 30 लाख की छात्रवृत्ति प्राप्त हुई है जयपुर के जयश्री पेरिवाल इंटरनेशनल स्कूल में अंतरराष्ट्रीय बैकलॉरियट डिप्लोमा पाठ्यक्रम (IBDP) के लिए। उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा "आंगनवाड़ी" से प्राप्त की थी। इसके बाद, उन्होंने सीएस दीएवी मोतिहारी में 9वीं कक्षा तक की शिक्षा प्राप्त की। आदर्श एक उद्यमी भी हैं जो अपनी चौथी कंपनी स्किल्जो का प्रबंधन कर रहे हैं, 21वीं सदी के कौशल और उद्यमी कौशलों के साथ छात्रों को समृद्ध करने का काम कर रही है। उनकी स्टार्टअप ने आईआईटी बॉम्बे, आईआईटी गुवाहाटी और कई अन्य प्रसिद्ध संगठनों के साथ काम किया है I 7,000 से अधिक छात्रों को सशक्त किया है। अंतरराष्ट्रीय

बैकलॉरियट एक प्रसिद्ध अंतरराष्ट्रीय शिक्षा बोर्ड है और जयश्री पेरिवाल इंटरनेशनल स्कूल भारत के सर्वश्रेष्ठ स्कूलों में से एक है। IBDP दो साल का पाठ्यक्रम है, इस पाठ्यक्रम को करने वाले छात्रों का अधिकांश अपनी उच्चतर शिक्षा के लिए विदेश जाते हैं। JPIS के पूर्व छात्र हार्वर्ड, स्टैनफोर्ड, यूपीएनन, येल और अन्य शीर्ष विश्वविद्यालयों में हैं। ज्योतिरादित्य सिंधिया, कपिल सिब्बल, जैसे राजनेता और उद्यमी रतन टाटा, आनंद महिंद्रा, ईशा अंबानी, सुंदर पिचाई, एलन मस्क ने अमेरिका की टॉप यूनिवर्सिटीज से पढ़ाई की है, और जेपीआईएस छात्र अपनी शिक्षा प्राप्त करने के लिए उन विश्वविद्यालयों में जाते हैं | स्कूल के मुख्य कार्यकारी अयुष पेरिवाल ने व्यक्तिगत रूप से आदर्श से मिलकर उन्हें छात्रवृत्ति दी और उनकी शुभकामनाएं दीं। आदर्श उनके द्वारा दी गई इस अवसर और उनमें दिखाए गए विश्वास के लिए बहुत ही कृतज्ञ हैं। जनवरी 2024 में आदर्श कुमार ने आईआईटी गुवाहाटी में आमंत्रित किया गया था | आदर्श 2022 में मोतिहारी से बाहर चले गए, अपनी सफलता का सभी श्रेय अपनी माँ मोनिका उपाध्याय, और मेंटर राहुल नार्वेकर को देते हैं, जो एक उद्यमी और निवेशक हैं, और भारतीय प्रबंधन संस्थान अहमदाबाद और हार्वर्ड बिजनेस स्कूल के एलम्नी हैं, वह पूर्व एनडीटीवी सीईओ भी थे, और अपने दोस्तों को। आदर्श के जीवन का मिशन शिक्षा की शक्ति के माध्यम से परिवर्तन लाना है। वे एक समाधान की तलाश में हैं, जिससे छोटे शहरों में प्रकाश की कमी, संसाधनों की कमी, और प्रोत्साहन की कमी को हल किया जा सके। अब वह उद्यमशीलता कौशल को बढ़ावा देने के लिए मोतिहारी के स्कूलों में भी काम करना चाहते हैं।

47वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल रक्सौल ने ग्रामीणों को किया पर्यावरण के प्रति जागरुक

बीएनएम। रक्सौल

47वीं वाहिनी रक्सौल द्वारा अपने कार्यक्षेत्र में चलाए जा रहे मिशन लाइफ मेरी लाइफ कार्यक्रम के तहत बी समवाय सिकटा के कार्यक्षेत्र ग्राम परसा में एक जन जागरूकता साइकिल रैली का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के माध्यम से वाहिनी ने ग्रामीणों से संवेदनशील पारिस्थितिक तंत्रों में एकल-उपयोग वाले प्लास्टिक के पर्यावरण के अनुकूल विकल्पों का उपयोग करके, जिम्मेदार पर्यटन, अपशिष्ट का निपटारा, जल और जैव विविधता संरक्षण, और एक स्थायी जीवनशैली अपनाने का आग्रह किया और इसके माध्यम से एकल-उपयोग वाले प्लास्टिक को कम करने एवं अधिक से अधिक पौधे लगाने की आवश्यकता पर जोर दिया। इस कार्यक्रम से वाहिनी ने सभी जन-समूह को यह सन्देश दिया कि पर्यावरण को हम बचाएंगे, तभी हम भी आगे बच पाएंगे। जलवायु परिवर्तन के गंभीर परिणामों को देखते हुए यह अभियान चलाया जा रहा है। इस अवसर पर समवाय प्रभारी उत्तम कुमार घोष सहायक कमांडेंट, अन्य बलकर्मी, मिडिया कर्मी एवं जन समूह उपस्थित रहा।

संक्षिप्त समाचार

अनियंत्रित बस ने दो को रौंदा, मौत

बीएनएम। बेतिया। बगहा पुलिस जिला अंतर्गत एक शादी की खुशियां देखते ही देखते मातम में बदल गईं। दोस्त की बारात जा रहे बाइक सवार दो लड़कों को अनियंत्रित बस ने रौंद डाला, जिससे एक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा अस्पताल ले जाने के दौरान रास्ते में दम तोड़ दिया। घटना चौतरवा थाना क्षेत्र के चौतरवा-लौरिया मुख्य पथ की है। मृतकों की पहचान चौतरवा चौक निवासी जीवन जीत कुमार और चौतरवा थाना क्षेत्र के सिकटौर गांव निवासी अमीरुल शाह के तौर पर हुई है। बताया जा रहा है कि दोनों के दोस्त की शादी थी। बारात चौतरवा से लौरिया जा रही थी। दोनों लड़के बाइक पर सवार होकर बारात जाने के लिए घर से निकले थे। जैसे ही दोनों युवक एनएच 727 पर बसवरिया गांव के पास पहुंचे तभी तेज रफ्तार बस ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरे को गंभीर हालत में स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां से डॉक्टरों ने बेहतर इलाज के लिए उसे जीएमसीएच रेफर कर दिया। परिजन आनन-फानन में उसे बेतिया लेकर भागे, लेकिन अस्पताल पहुंचने से पहले ही दूसरे युवक ने भी रास्ते में ही दम तोड़ दिया। घटना की जानकारी मिलने के बाद शादी की शुखियां मातम में बदल गई। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

जिला बॉर्डर पर चलाया जा रहा सघन जांच अभियान

बीएनएम। बेतिया। आदर्श आचार संहिता का शत प्रतिशत पालन करने के उद्देश्य से मझौलिया के अंचलाधिकारी राजीव रंजन इंस्पेक्टर सह थाना अध्यक्ष अखिलेश कुमार मिश्रा ने पूर्वी और पश्चिमी चंपारण के बॉर्डर क्षेत्र पर बने पुलिस चेक पोस्ट का निरीक्षण करते हुए प्रतिनियुक्ति किए गए अधिकारियों से स्थिति का जायजा लेते हुए कई बिंदुओं पर गाइडलाइन जारी की।अधिकारियों द्वारा एन एच 727 के माधोपुर चौक नानोसती लाल सरैया,पारस पकड़ी ,सरिसवा, तिरवाह क्षेत्र के पीपरपाती पुलघाट समेत विभिन्न चौक चौराहा पर वाहन जांच किया गया। अधिकारियों द्वारा बताया गया कि दिन और रात में अलग-अलग गठित टीमवर्क बॉर्डर क्षेत्र से आने वाले सभी प्रकार के वाहनों का कागजात की जांच करते हुए उनके वाहनों का वीडियो ग्राफी तथा वाहन नंबर मोबाइल नंबर दर्ज करते हुए सघन जांच के बाद ही छोड़ जाता है ।खासकर उपद्रवी तत्वों एवं अफवाह फैलाने वाले लोगों पर पहली नजर रखी जा रही है।व्हाट्सएप ग्रुप सोशल मीडिया पर भी साइबर सेनानी ग्रुप काम कर रही है।

उद्यमिता जागरूकता शिविरः लघु उद्योग खड़ी कर अपनी कर सकते हैं आर्थिक उन्नतिः डॉ. श्याम

- शिविर में प्राध्यापकों ने लघु उद्योग स्थापित करने पर की विस्तृत चर्चा
- विद्यार्थियों को प्रेरक उदाहरणों के जरिए मिला सभी सवालों का जवाब
- उद्यमिता में संचार कौशल एवं दृढ इच्छाशक्ति महत्वपूर्णः डॉ शिवेंद्र

बीएनएम। मोतिहारी

मोतिहारी। महात्मा गांधी केंद्रीय विवि कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रोद्योगिकी विभाग की ओर से चल रहे उद्यमिता जागरूकता शिविर के दूसरे दिन शनिवार को वक्ताओं ने लघु उद्योग स्थापित करने पर विस्तृत चर्चा की। इससे पहले विभाग के प्राध्यापक कार्यक्रम सह संयोजक डॉ. विपिन कुमार ने संबंधित विषयों पर संक्षिप्त पुर्नावृति कर शिविर की शुरूआत की। इस कड़ी में प्राध्यापकों का स्वागत भी किया गया। प्रथम सत्र को संबोधित करते हुए अर्थशास्त्र विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. रामलाल बगेरिया ने उद्यमिता के लिए आवश्यक नियम व शर्तो को बताया। वहीं लघु उद्योग स्थापित करने की दिशा में आने वाली चुनौतियों से निपटने को लेकर विद्यार्थियों द्वारा पूछे गए सवालों का प्रेरक उदाहरणों के जरिए जवाब दिया। सवालों के मिले जवाब से विद्यार्थी संतुष्ठ नजर आएं। दूसरे सत्र को संबोधित करते हुए जन्तु विज्ञान के सहायक प्राध्यापक डॉ. श्याम प्रसाद बाबू ने कहा कि नवाचार व तकनीकी के इस युग में उद्यमिता शक्तिशाली उपकरण बन गया है। उन्होंने विद्यार्थियों से लघु उद्योग स्थापित कर आत्मनिर्भर बनने का आह्वान किया। कहा कि आप लघु उद्योग खड़ी कर अपनी आर्थिक उन्नति कर सकते हैं। मध्यांतर के बाद तीसरे सत्र का संबोधन प्रबंध विज्ञान विभाग की प्राध्यापक डॉ. अलका ललहाल

द्वारा किया गया। उन्होंने उद्यमिता के व्यावहारिक एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण पर चर्चा की। साथ ही उद्यमिता की उपयोगिता पर बल देते हुए इसका अनुकरण करने के लिए विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया। अंतिम एवं चौथे सत्र को संबोधित करते हुए वाणिज्य विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. शिवेंद्र सिंह ने उद्यमिता में संचार कौशल एवं दृढ इच्छाशक्ति को महत्वपूर्ण बताया। गौरतलब हो कि सरकार की विज्ञान एवं प्रोद्योगिकी विभाग के प्रायोजन में चल रहे जागरूकता शिविर का समापन आज होगा। मौके पर प्रबंध विज्ञान विभाग के अतिथि प्राध्यापक डॉ. कमलेश कुमार सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थे।

एलएनडी कॉलेज में मतदाता जागरूकता रैली का आयोजन

अन्नदाता और करदाता के समान मतदाता का भी राष्ट्र निर्माण में है अनुपम योगदान- प्राचार्य

बीएनएम। मोतिहारी

मोतिहारी। शहर के एलएनडी कॉलेज में एनएसएस के सौजन्य से मतदाता जागरूकता अभियान के अंतर्गत मतदाता जागरूकता रैली निकाली गई। प्राचार्य प्रो. (डॉ.) राजेश कुमार सिन्हा ने रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली पांच ग्रुप में बंटकर शहर के हॉस्पिटल रोड, श्रीकृष्ण नगर, अगरवा, सदर अस्पताल परिसर, नगर थाना चौक इलाकों में नागरिकों को 25 मई को अवश्य रूप से मतदान करने के लिए प्रेरित किया। चाहे नर हो या नारी मतदान है सबकी जिम्मेदारी। हमको यह समझाना है सबको वोट दिलाना है जैसे नारा लगाते हुए स्वयंसेवकों ने मतदाताओं को लोकतंत्र में भागीदारी बढ़ाने की अपील की। प्रो. सिन्हा ने स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए बताया कि अन्नदाता और करदाता के समान मतदाता का भी राष्ट्र निर्माण में अनुपम योगदान है। एनएसएस कार्यक्रम पदाधिकारी एसोसिएट प्रो. अरविंद कुमार ने बताया कि लोकसभा चुनाव 2024 में मतदाताओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए मतदाता जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। मीडिया प्रभारी डॉ. प्रभाकर कुमार ने बताया कि मताधिकार के द्वारा हम अपने देश के भविष्य को संवार सकते हैं। इस अवसर पर डॉ. सुबोध कुमार, डॉ. दुर्वादल भट्टाचार्य, एसोसिएट प्रो. दुर्गेश मणि तिवारी, एसोसिएट प्रो. राकेश रंजन कुमार, डॉ. सर्वेश दुबे, डॉ. पिनाकी लाहा, डॉ. कुमार राकेश रंजन, एसोसिएट प्रो. जौवाद हुसैन, डॉ. संतोष विश्नोई, डॉ. दीपक कुमार आदि उपस्थित रहे। रैली में स्वयंसेवक शुभांगी भारती,मनोज कुमार,अंजली राज,सन्नी जायसवाल, विशाल कुमार, तृप्ति कुमारी,चंचल कुमार,कुमारी अदिति,पल्लवी कुमारी,धीरज कुमार,प्रतिमा कुमारी सहित अन्य की सहभागिता रही।

LAKSHYA RAJ KIDZEE
Lakshya Raj Public School
Mission Chowk, Pataura (Infornt of Durga Mandir) Motihari Mob.- 9128562441

मुख्यमंत्री के बगहा को राजस्व जिला बनाने के आश्वासन से चुनावी माहौल बदला

आरोप प्रत्यारोप का चुनावी दौर शुरू

अपने कार्यकाल में किए विकास को गिनाया महिला सशक्तिकरण को सरकार की उपलब्धि बताया

बीएनएम। बगहा

मौसम की तपीस के साथ ही वाल्मीकिनगर 01 लोकसभा क्षेत्र में चुनावी सरगर्मी तेज़ हो गईं है। एनडीए गठबंधन अपनी पूरी ताकत झोंक क़र जेडीयू प्रत्याशी सुनील कुमार की जीत सुनिश्चित करने में जुटा है। जहाँ एक ओर बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष औऱ डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी के साथ मंगल पाण्डेय नें बगहा विधानसभा के पतिलार में 16 मई को जनसभा क़र लोगों से वोट देने की अपील के साथ आरजेडी प्रत्याशी दीपक यादव पर जमकर भड़ास निकाला वहीं आज वाल्मीकिनगर विधानसभा के गंडक दियारावर्ती भीतहा रूपही में आयोजित चुनावी जनसभा को सम्बोधित करने औऱ लोगों से जदयू प्रत्याशी सुनील कुमार को जिताने का आग्रह करने सीएम नीतीश कुमार के साथ शिक्षा मंत्री विजय चौधरी औऱ राज्यसभा सांसद संजय झा पहुँचे ।

चिलचिलाती धूप औऱ उमस भरी गर्मी के बावजूद जनसभा में उमड़ी भीड़ को सम्बोधित करते हुए आज फ़िर सीएम नीतीश कुमार की जुबान फिसली औऱ उन्होंने सुनील कुमार के तीर निशान पर बटन दबाने से दिल्ली में कमल खिलने के साथ हीं पीएम मोदी के 4000 सीटों का लक्ष्य पूरा करने की अपील क़र दी हालांकि फ़ौरन मुख्यमंत्री नें इसे भूल वश आज पुनः दुहराने की बात कहक़र 400 सीटों का आकड़ा पार करने में समर्थन की अपील किया।

इस दौरान उन्होंने बिहार में हुए जातीय जनगणना को अपने सरकार की बड़ी उपलब्धि बताते हुए कहा की कांग्रेसिया कभी जातीय जनगणना करा सकता है ..!

सीएम नें सभा में मौजूद लोगों से हामी भरवांते हुए कहा की ज़ब मैं महागठबंधन के साथ था तो कांग्रेस जातीय जनगणना के पक्ष में नहीं थीं औऱ ज़ब मैं फ़िर एनडीए गठबंधन के साथ हूं तो कांग्रेस जातीय जनगणना की राग अलाप रहीं है ।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार नें चम्पारण के इस मिनी चंबल की धरती से जंगल राज़ का सफाया करते हुए बिहार में सुशासन के साथ हर क्षेत्र में विकास की बात कहते हुए महिला सशक्तिकरण पर सरकार की उपलब्धियां गिनाई । बतादें की बगहा को राजस्व ज़िला बनाना यहाँ का सबसे बड़ा चुनावी मुद्दा है ऐसे में मंच से सीएम नीतीश कुमार के बगहा को ज़िला बनाने के आश्वासन नें चुनावी माहौल हीं बदल दिया है ।

वहीं दूसरी तरफ़ शिक्षा मंत्री विजय चौधरी नें वाल्मीकिनगर लोकसभा क्षेत्र से आरजेडी प्रत्याशी चीनी मिल मालिक दीपक यादव को आड़े हाथों लेते हुए कहा की बिहार में ज़ब नीतीश कुमार की सरकार बनी तब वह यहाँ सुशासन सरकार की संरक्षण में अपना बिजनेस चमकाया वहीं आज सरकार की जड़ खोदने में लगा हुआ है ऐसे दोहरे चरित्र वाले को भी आप सबों को देखना होगा ।

बतातें चलें की छठे चरण में यहाँ 25 मई को मतदान होना है जिसके लिए एनडीए औऱ महागठबंधन की ओर से एक दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप का तूफ़ानी दौर चल रहा है ।

संक्षिप्त समाचार

जिले में है 42 हजार 400 हाईपर टेंशन के मरीज

- जिले के स्वास्थ्य केंद्रों में महीने भर की जाएगी हाइपरटेंशन के मरीजों की खोज
- हाइपरटेंशन की वजह से हाई ब्लड प्रेशर के साथ कई प्रकार की बीमारियों का खतरा- डॉ मुर्तजा अंसारी

बीएनएम। बेतिया। पश्चिमी चंपारण जिले के सभी पीएचसी, एचडब्लूसी, सीएचसी, मेडिकल कॉलेज एवं रेफरल अस्पतालओं में हाईपरटेंशन दिवस मनाया जा रहा है। जिसके तहत जिले में हाइपरटेंशन के रोगियों की स्क्रीनिंग की जा रही है। जिले के गैर संचारी रोग पदाधिकारी डॉ मुर्तजा अंसारी ने बताया की लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से विश्व हाईपर टेंशन डे मनाया जाता है। हाइपरटेंशन को आमतौर पर हाई ब्लड प्रेशर के रूप में जाना जाता है। हाई ब्लड प्रेशर, शुगर, ह्रदय व इनसे जुड़ी अन्य कई गंभीर समस्याएं भी इन दिनों लोगों के लिए चिंता का विषय बनी हुई हैं। हमारी लाइफस्टाइल, खानपान, बढ़ते तापमान भी हमारे ब्लड प्रेशर को काफी प्रभावित करता है। उन्होंने बताया की एक महीने तक सभी स्वास्थ्य केन्द्रो पर हाईपरटेंशन से ग्रसित लोगों की स्वास्थ्य कर्मियों के द्वारा जाँच की जाएगी, उन्होंने बताया की जिले के सरकारी अस्पतालों में अब लोगों का बेहतर इलाज हो रहा है जिसके वजह से एनसीडी क्लिनिक पर वर्ष 2021-2022 में 3145 हाईपरटेंशन मरीज मिले, 3701 ब्लड शुगर के मरीज मिले, कैंसर के 90, स्ट्रोक के 15, वर्ष 2022- 2023 में 29 हजार 490 हाईपरटेंशन, ब्लड शुगर 37 हजार 706, कैंसर के 132, स्ट्रोक 34 वहीं 2023 अप्रैल से मार्च 2024 तक 42 हजार 399 लोग हाईपरटेंशन, 51 हजार 315, ब्लड शुगर, 324 कैंसर,12 स्ट्रोक के मरीज मिले है। कैंसर के मरीजों की इलाज एसकेएमसीएच मुजफ्फरपुर और मेदांता पटना में किया जाता है। वहीं लकवा से ग्रसित मरीजों के लिए बेतिया मेडिकल कॉलेज कमरा नंबर 14 में फिजियोथेरेपी की सुविधा उपलब्ध है।

गर्मी के मौसम में रखें इन बातों का ध्यानः गर्म और उमस भरे मौसम में, ब्लड प्रेशर को नियंत्रित रखने और हार्ट हेल्थ को बनाए रखने के लिए निम्न सावधानियां महत्वपूर्ण हैं। भले ही आपको प्यास न लगे, फिर भी ब्लड प्रेशर पर गर्म मौसम और ह्यूमिडिटी के प्रभाव को नियंत्रित करने में मदद करने के लिए बहुत सारा पानी पीकर हाइड्रेटेड रहना जरूरी है। ठंडे या वातानुकूलित स्थान पर रहने से अत्यधिक गर्मी से बचने में मदद मिल सकती है। अगर आप हल्के, हवादार कपड़े पहनते हैं, जो शरीर के तापमान को नियंत्रित करने में मदद करते हैं, तो आपका शरीर गर्मी को अधिक आसानी से सहन कर सकता है।

पर्यावरण संरक्षण जागरूकता के लिए एसएसबी ने स्कूली बच्चों संग निकाला साइकिल रैली

बीएनएम। बगहा। शनिवार को बगहा स्थित 21वीं बटालियन एसएसबी मुख्यालय के द्वारा पर्यावरण संरक्षण के अंतर्गत मेरी लाइफ थीम पर मुख्यालय से रामपुर तक और रामपुर से वापस मुख्यालय परिसर तक साईकल रैली कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस साइकिल रैली का शुभारंभ नैतिक जागरण मंच वेलफेयर ट्रस्ट के संस्थापक सह सचिव निप्पू कुमार पाठक के द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया गया। जिसमे स्कूली छात्र छात्राओं के साथ बलकर्मी बढ़-चढ़ कर शामिल हुए । रैली का आयोजन मिशन लाइफ के तहत पर्यावरण संरक्षण के लिए जीवन शैली में बदलाव के जरिये आम जनता के बीच बढ़ते हुये प्रदूषण से पर्यावरण को बचाने व पर्यावरण संरक्षण महत्व के बारे में आम जनता के बीच जागरूकता की भावना को पैदा करने के लिए किया गया । बतादें मेरी लाइम थीम के अंतर्गत बटालियन के द्वारा 5 मई से 5 जून तक विभिन्न कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम के दौरान बटालियन कमान्डेंट श्रीप्रकाश, द्वितीय कमान अधिकारी अश्वनी कुमार, उप कमांडेंट उमा शंकर नाशना समेत वाहिनी के सभी बलकर्मी उपस्थित रहे।

कोषांगों के नोडल पदाधिकारी एवं वरीय पदाधिकारियों के बीच समीक्षात्मक बैठक

बीएनएम। भोजपुर/आरा

जिला समाहरणालय के सभागार में जिला पदाधिकारी की अध्यक्षता में सभी कोषांगों के नोडल पदाधिकारी और वरीय पदाधिकारियों के बीच समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई । जिला पदाधिकारी के साथ-साथ उप विकास आयुक्त महोदय भी इस बैठक में उपस्थित थे। जिला पदाधिकारी ने सबसे पहले प्रशिक्षण कोषांग की जानकारी ली। कल से द्वितीय चरण का प्रशिक्षण आरंभ हो रहा है। इसके बारे में प्रशिक्षण कोषांग के नोडल पदाधिकारी ऋषभ राज ने विस्तृत तौर पर प्रशिक्षण कार्यक्रमों की विवेचना की । इसके बाद इवीएम कोषांग, मटेरियल कोषांग वाहन कोषांग के नोडल पदाधिकारी से आवश्यक जानकारी जिला पदाधिकारी द्वारा प्राप्त की गई। इस बार 1125 बूथों पर वेब कास्टिंग की सुविधा प्रदान की गई है । इसके संबंध में वेब कास्टिंग और वीडियोग्राफी कोषांग के नोडल पदाधिकारी से समय रहते सभी जगह वेब कास्टिंग के साधन उपलब्ध करा देने से संबंधित जानकारी प्राप्त की गई । इस बार 746 क्रिटिकल बूथ बनाए गए हैं । जिन पर भी वेब कास्टिंग किया जाना आवश्यक बताया गया है। विशेष तौर पर विधानसभा एवं लोकसभा के चुनाव के मद्देनजर मशीनों के सही तरह से जोड़ने पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता बताई गई । 19 से 26 तक सर्विस मैन के लिए वोटिंग का प्रावधान महाराजा कॉलेज में किया गया है। इसके अलावा जिला पदाधिकारी ने बूथ लेवल कमेटी को और भी स्ट्रांग बनाने तथा मतदाता जागरूकता पर विशेष ध्यान देनी की बात कहते हुए बैठक को समाप्त किया।

चुनाव के दिन निर्वाध रूप से विधुत सप्लाई के लिए विधुत कार्यपालक अभियंता ने किया बैठक

बीएनएम। रक्सौल

रक्सौल प्रमंडल के सभी सेक्शनों में निर्बाध रूप से विधुत सप्लाई किया जाएगा। युद्ध स्तर पर इसकी तैयारी की गई है। ये बातें रक्सौल विधुत कार्यपालक अभियंता अजय कुमार ने विधुत सभागार में बैठक के दौरान कही। रक्सौल विधुत प्रमण्डल क्षेत्रों में छठे चरण में चुनाव होना है। चुनाव पूर्व सभी बूथों एवं पारा मिल्ट्री फोर्सज के रहने वाले स्थानों पर विधुत आपूर्ति के लिए आवश्यक कार्यवाही कर लिया गया है। सभी बूथों पर पोल, तार, बॉक्स या अन्य इंफ्रा की जरूरतों को पूरा कर लिया गया है। विधुत कार्यपालक अभियंता सभी विधुत कर्मियों एवं कर्मचारियों को चेतावनी देते हुए कहा की 25 मई तक सभी की छूटी केंसिल कर दिया गया है। कोई छुट्टी पर नही जाएगा। सभी लोग मिलकर लोकतंत्र के महान पर्व को सम्पन्न करेंगे। मनावलबल अपने क्षेत्र के सभी फीडर को पुनः जाँच कर लेंगे। अगर पेड़ कटाई छंटाई या मरम्मती कार्य की आवश्यकता महसूस हो तो दो दिन में करके काम को निष्पादन करेंगे। चुनाव के दिन सभी मानवबल बल, लाइन मैन एवं कनीय विधुत अभियंता अपने अपने फीडर में तैनात रहेंगे। कही कोई समस्या हो तो ऑन स्पॉट समस्या समाधान करके विधुत आपूर्ति बहाल रखेंगे। वही सिक्योर कंपनी के सुपरवाजर एवं डिवीजन मैनेजर को नया सर्विस कनेक्शन में लेट करने को लकेर नाराजगी जाहिर किया। अगले तीन दिनों के अंदर सभी एनएससी कनेक्शन की निर्भरता को खत्म करना है।

पश्चिमी चंपारण लोकसभा में कांटे की टक्कर

बीएनएम। बेतिया

पश्चिम चंपारण जिला के 2-पश्चिम चंपारण संसदीय सीट पर पिछले तीन टर्म से भाजपा का कब्जा रहा है। यहां से तीन बार सांसद रहे डॉ. संजय जायसवाल ने चौथी बार अपना नामांकन दाखिल किया है। इसके पूर्व डॉ. संजय के पिताजी स्वर्गीय डॉ. मदन जयसवाल भी तीन बार भाजपा के सांसद रह चुके हैं। पश्चिम चंपारण संसदीय क्षेत्र में कुल 6 विधानसभा क्षेत्र पड़ते हैं। जिसमें पश्चिम चंपारण जिला के बेतिया, नौतन, चनपटिया एवं पूर्वी चंपारण जिला के सुगौली, रक्सौल, नरकटिया विधानसभा क्षेत्र आते हैं। बताते चले कि इनमें बेतिया, चनपटिया, नौतन एवं रक्सौल विधानसभा सीट पर भाजपा तथा सुगौली एवं नरकटिया विधानसभा सीट पर राजद का कब्जा है। इस बार पश्चिम चंपारण संसदीय क्षेत्र से कुल 8 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। जिनमें मुख्य रूप से एनडीए के भाजपा उम्मीदवार निवर्तमान सांसद डॉ संजय जयसवाल और इंडिया गठबंधन के कांग्रेस उम्मीदवार पूर्व बेतिया विधायक मदन मोहन तिवारी के बीच आमने-सामने की टक्कर है। कांग्रेस के प्रत्याशी मदन मोहन तिवारी इस संसदीय सीट पर कब्जा करने के लिए पूरी तरह से हाथ पांव मार रहे हैं। लेकिन उनके लिए यह सीट मिल का पत्थर साबित हो रहा है। वहीं भाजपा उम्मीदवार डॉ संजय जयसवाल अपनी सीट को बरकरा रखने के लिए पूरी तरह से मुस्तैद दिखाई दे रहे हैं और मैदान में डटे हुए हैं। हालांकि डॉक्टर जायसवाल को इस दौरान कहीं कहीं मतदाताओं का आक्रोश झेलना पड़ रहा है और खरी-खोटी सुनना भी पड़ रहा है। फिर भी इसका कोई भी असर उन पर दिखता नहीं पड़ रहा है। क्योंकि मतदाताओं के हृदय में मोदी प्रेम और राष्ट्रहित की भावना पूरी तरह से घर कर चुकी है। जिससे इस सीट पर फिर से एक बार कीचड़ में कमल खिलता नजर आ रहा है।

फार्मेट सी-1
(अभ्यर्थियों के लिए समाचार-पत्र, टी.वी. में प्रकाशन हेतु)

आपराधिक मामलों के बारे में घोषणा

वर्ष, 2011 की रिट याचिका (सिविल) संख्या 536 (पब्लिक इंटरेस्ट फाउण्डेशन एवं अन्य बनाम भारत संघ एवं अन्य) में माननीय उच्चतम न्यायालय के दिनांक, 25 सितम्बर, 2018 के निर्णय के अनुसार)

अभ्यर्थी का नाम एवं पता : **अखिलेश्वर श्रीवैष्णव**

राजनैतिक दल का नाम : **निर्दलीय**

(निर्दलीय अभ्यर्थी यहाँ "निर्दलीय" लिखें)

निर्वाचन का नाम : **लोकसभा आम निर्वाचन, 2024**

*निर्वाचन क्षेत्र का नाम : **04, शिवहर संसदीय निर्वाचन क्षेत्र**

मैं **अखिलेश्वर श्रीवैष्णव** (अभ्यर्थी का नाम), उपयुक्त निर्वाचन के लिए अभ्यर्थी, सार्वजनिक सूचना हेतु अपने आपराधिक पूर्ववृत के बारे में निम्नलिखित विवरणी की घोषणा करता हूं,

(क)	संबद्ध पुलिस थाने के नाम और पते के साथ प्रथम इत्तला रिपोर्ट सं0	न्यायालीय परिवाद-पत्र	न्यायालीय परिवाद-पत्र	असंघेय अपराध की सूचना रिपोर्ट थाना-नानल पेठ रिपोर्ट सं0-0832-2023
(ख)	न्यायालय के नाम के साथ मामला सं0	मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी परभणी, महाराष्ट्र	मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी परभणी, महाराष्ट्र	अनुमंडलीय दंडाधिकारी परभणी, महाराष्ट्र, मामला सं0-0332/2023
(ग)	अंतर्वलित संबद्ध अधिनियमों /संहिताओं की धाराएं (धारा की सं. दे, अर्थात् भारतीय दंड संहिता, आदि की धारा .....)	मामला सं0-163/2022, धारा-409, 417 420,425,467, 468 470, 471/34 भा.द.वि. संहिता	मामला सं0 296/2023, धारा-340 द.प्र.सं.	धारा 506 भा.द.सं.
(घ)	अपराध का संक्षिप्त विवरण	अमानत में खयानत धोखाधड़ी व जालसाज	जालसाजी	गाली गुप्ता करना व धमकी देना
(ङ)	क्या आरोप विरचित किये गये है (हाँ या नहीं का उल्लेख करें)	नहीं	नहीं	नहीं
(च)	यदि उपर्युक्त मद (ङ) के सामने उत्तर हाँ है, तो वह तारीख दें जिसको आरोप विरचित किये गये थे.	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
(छ)	क्या कार्यवाहियों के विरुद्ध कोई अपील/पुनरीक्षण के लिए आवेदन फाईल किया गया है (हां या नहीं का उल्लेख करें)	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं

संपादकीय

आस्था का ख्याल रखें

उत्तराखंड में चार धाम यात्रा में पिछले साल की तुलना में दोगुने यात्री पहुंच रहे हैं। यह वाकई हर किसी के लिए चिंता का सबब है। बेतहाशा बढ़ती भीड़ और अव्यवस्था के चलते बारह यात्रियों की मौत हो चुकी है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी चुनावी रैली छोड़ कर देहरादून पहुंचे। बैठक लेकर उन्होंने निर्देश दिया कि 31मई तक सभी वीआईपी दर्शन पर रोक रहेगी। यात्रा मागोर्ं पर भीषण जाम है, तीर्थयात्री घंटों-घंटों उनमें फंसे हैं। कुछ की तबीयत बहुत बिगड़ गयी। कुछ श्रद्धालुओं को आधे रास्ते से ही वापस लौटना पड़ा। जबरदस्त भीड़ को देखते हुए पंजीकरण दो दिन के लिए रोके जा चुके हैं। यह सच है कि वीआईपी कल्चर के चलते होने वाली व्यवस्थागत गड़बड़ियों को नजरंदाज किया जाता है। खासकर इस तरह के बड़े तीर्थस्थानों तथा धार्मिक स्थलों में खास लोगों के लिए की जाने वाली व्यवस्था में पुलिस व सुरक्षा बलों की बड़ी संख्या जुटती है। ऐसे में आम नागरिक की तरफ से ध्यान हट जाता है।

खुद को अलग और विशेष मानने वाला बड़ा वर्ग है अपने यहां, जो अपनी समृद्धि और ताकत का प्रयोग कर अपनी विशिष्टता दर्शाने में संकोच नहीं करता। निःसंदेह खास लोगों की आस्था का भी ख्याल रखा जाना जरूरी है। मगर यह आम आदमी की असुविधा या अपमान के साथ न किया जाए। यह कहना अतिश्योक्ति होगा कि लोगों की आस्था का विस्तार तेजी से हो रहा है। अब लगभग सभी बड़े व प्रसिद्ध तीर्थस्थलों में बेतहाशा भीड़ लगने लगी है। रही बात पंजीकरण की तो अभी भी देश में ऐसा तबका है, जिसे नियमों/ पाबंदियों के विषय में जानकारी नहीं मिल पाती। उनके पास इतना धन भी नहीं होता कि वे एकाध दिन कहीं रुक कर इंतजार कर सकें। दो सौ मीटर के दायरे में फोन के प्रयोग जैसी पाबंदी श्रद्धालुओं के लिए बड़ी समस्या साबित हो सकती है। तस्वीरें निकालने या रील बनाने वालों से निपटने के और रास्ते खोजने की जरूरत है। नियमों व पाबंदियों की आड़ में आस्था पर प्रहार से बचने के प्रयास होने चाहिए। चार धाम जैसी यात्रा करने वाले वर्षो से इसकी तैयारी करते हैं, तब निकलते हैं। वे आम भक्त हों या खास, उनकी भावनाओं की अनदेखी करने को कतई उचित नहीं कहा जा सकता।

शिकंजे में लाइए दोषियों को

स्वाति मालीवाल के साथ दिल्ली के मुख्यमंत्री के आवास पर की गई कथित मारपीट आप राजनीति की हिंसक कार्यशैली का एक घोर निंदनीय घटना है। यह भरोसा करना मुश्किल हो रहा है कि 'दिल्ली का बेटा' कहे जाने वाले अरविंद केजरीवाल के रहते उनका निजी सचिव विभव कुमार महिला सांसद की बुरी तरह से धुनाई करेगा। स्वाति ने लिखित शिकायत में कहा है कि विभव ने थप्पड़ों, लात-घूसों से, उनके चेहरे, पेट एवं निजी अंगों पर अंधाधुंध प्रहार किया है। दिल्ली पुलिस ने इस राज्य सभा सांसद के आवास पर जाकर उनके लिये बयान के बाद विभव के विरुद्ध विभिन्न धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की है। सभ्य-सम्मानजनक एवं न्यायपूर्ण व्यवहार का भरोसा पहले दिल्ली और अब पूरे देश को देने वाला परिसर एक शातिर आखेटस्थल के रूप में सामने आया है।

स्वाति ठीक से चल नहीं पा रही हैं एक वीडियो में यह दिखा है। आप की ही एक नेता इसे नौटंकी बता रही हैं। वे घटना के तुरंत बाद थाना जाने के आपातकालीन उत्साह के जैविक स्रोत में और हादसे के बाद उभरने वाली पीड़ा से उत्पन्न असहायता में जानबूझकर फर्क नहीं कर पा रही हैं। यह प्रतिक्रिया आप की कार्यसंस्कृति की भी झलक देती है। खुद मुख्यमंत्री ने इस पर अफसोस जाहिर नहीं किया है और न उनकी पत्नी सुनीता केजरीवाल ने। जो पति की विरासत सम्हालने की कतार में दूसरे नम्बर पर हैं; एक महिला होने के नाते भी स्वाति से हमदर्दी जता सकती थीं। यहां तक कि सांसद संजय सिंह ने जो मालीवाल से बातचीत करें न्याय का भरोसा दिलाया था, वे खुद विभव के साथ देखे गए। खुद मुख्यमंत्री भी। हालांकि स्वाति ने इस घटना की वजह नहीं बताई है पर यह लगता है कि जो कुछ और जैसे हुआ है, उसमें मुख्यमंत्री एवं उनकी पत्नी सहित उच्चस्तरीय सहमतियां हैं। एक अनुमान अंतरिम जमानत दिलाने वाले वकील को स्वाति से सांसदी छीन कर उन्हें सौंप देने का है। मुख्यमंत्री के जेल जाने के पहले और बाद में स्वाति की बगैर अनुमति की अनुपस्थिति नेतृत्व की खीझ व नाराजगी भी एक अनुमान है। तीसरा अनुमान राज्य सभा में कुछ आप सांसदों के तटस्थ बर्ताव से नेतृत्व के नाखुश होने का है, लेकिन इसे व्यक्त करने का और भी कई बेहतर तरीका हो सकता था। इसके परिणामों को किन्हीं राजनीतिक बाध्यताओं से न प्रभावित होने दिया जाए और न किन्हीं पूर्वाग्रहों से उसकी बेलाग निष्पक्षता को। कानून अपना काम करे।

मोदी-योगी : जनता को भा रही जुगलबंदी

लोकसभा चुनाव में मोदी-योगी की जोड़ी को खूब पसंद किया जा रहा है। इतना ही नहीं, दोनों नेता अपने-अपने भाषण में एक-दूसरे का खूब बखान भी कर रहे हैं। गजब का सामंजस्य चल रहा है। इसके पीछे की पूरी पटकथा लिखी हुई है। यह सभी जानते हैं कि दिल्ली तक पहुंचने में उत्तर प्रदेश का योगदान सबसे महत्त्वपूर्ण और सर्वाधिक होता है। इस नाते लोक सभा चुनाव 2024 की पहली सभा मोदी ने उत्तर प्रदेश में ही की और शायद अंतिम सभा भी उत्तर प्रदेश में ही होगी। चुनावी सभा के दौरान मोदी योगी की प्रशंसा करते नजर आ रहे हैं, और उससे भी अधिक योगी मोदी की प्रशंसा करते नजर आ रहे हैं। यह सामंजस्य देखने को खूब मिल रहा है। चुनावी सभा, रोड शो, रैली में जहां दोनों पहुंच रहे हैं, वहां विशाल भीड़ इकटठा हो रही है।

मोदी बार-बार कहते नजर आ रहे हैं कि योगी जी मेरे भी मुख्यमंत्री हैं। इन्होंने माफिया राज को खत्म कर दिया है और योगी यह कहते नजर आ रहे हैं कि मोदी की गारंटी, अबकी बार 400 पार। यहां तक ही नहीं, जब राम मंदिर की बात आ रही है तो योगी बार-बार मोदी को श्रेय दे रहे हैं जबकि यह भी सभी जानते हैं कि योगी ने राम मंदिर निर्माण के लिए रात-दिन एक कर दिया था। बार-बार अयोध्या जा कर मॉनिटरिंग करना, आत्मबल बढ़ाना, विरासत और विकास की बातें खूब हो रही हैं।

लोक सभा की 80 सीटें उत्तर प्रदेश में हैं, और गिनी-चुनी सीटों को छोड़ दिया जाए तो कयास ये लगाए जा रहे हैं कि उत्तर प्रदेश की 65 से ऊपर सीटें भाजपा के पास रहेंगी और इसका श्रेय सीधे तौर पर योगी को जाता है। केंद्र की योजनाओं और प्रदेश की योजनाओं के लाभार्थियों से सीधे मुलाकात और बूथ लेवल कार्यकताओं का लाभार्थियों से सीधा संपर्क बना हुआ है। इसी नाते मोदी भी योगी की खूब प्रशंसा कर रहे हैं। पूरे देश में चुनावी सभा में जिस तरह से योगी की डिमांड हो रही है, वह अपने आप में एक उदाहरण है। स्टार प्रचारक के रूप में उन्हें जनता हर जगह चाह रही है। उत्तर प्रदेश के बदलाव को बखूबी लोग अपनी जुबां से बयां कर रहे हैं। गोरखपुर का बदलाव भी योगी के कद को बढ़ा ही नहीं रहा है, बल्कि आसपास की लोक सभा सीटों को एक संदेश भी दे रहा है।

कानून व्यवस्था तो जैसी यूपी की है, शायद ही किसी अन्य प्रदेश की हो। अपराध और अपराधी यूपी से गायब हो गए हैं। अब उत्तर प्रदेश में कहीं गुंडा टैक्स नहीं चलता। दंगों, कर्फ्यू, रंगदारी, अपहरण, डराना-धमकाना उत्तर प्रदेश से सब समाप्त हो चुका है। इन सभी मुद्दों को लेकर दोनों नेता चर्चा करते नजर आ रहे हैं। प्रथम चरण के चुनाव के बाद जिस तरह से पूरी भाजपा टीम को और मजबूती से लगाया गया है, पूरी तरह से उत्तर प्रदेश में एक नया संदेश देना चाहती है भाजपा। चार जून को लोक सभा चुनाव के परिणाम आने के बाद योगी का कद और बढ़ेगा। योगी विरासत और विकास की बातों के साथ-साथ अपनी पुरानी छवि, फायर ब्रांड हिन्दूवादी नेता की, को कायम रखे हुए हैं। उसी तौरतरीके से उनका चुनावी भाषण भी हो रहा है। बल्कि चुनावी भाषण को छोड़ दिया जाए तो योगी ने अपने नियमित भाषण में बड़ा ही परिवर्तन किया था, तकनीकी और विकास की बारे अधिक होती रहती थीं। लोक सभा चुनाव के ऐलान के बाद राज्यवार स्टार प्रचारकों की लिस्ट में भी योगी को वरीयता दी गई। यह अपने आप में संदेश पहले ही दे दिया गया कि केंद्र के पांच शीर्ष नेताओं के बाद छठे नम्बर पर योगी का ही नाम है। कानून व्यवस्था सख्त रखने के चलते दूसरे राज्यों में योगी की खूब चर्चा होती है। हार्डकोर हिन्दुत्व वाली छवि भी उनके कद को बढ़ाती है। जुगलबंदी इस तरह हो गई है कि योगी गोरखपुर आएंगे तो बाबा गोरखनाथ की पूजा करने के बाद ही अपने कमरे में जाते हैं।

मोदी ने काशी में जिस तरह से कल रोड शो किया वह देखने लायक था। भगवामय कशी नजर आ रही थी। बाबा विनाथ, गंगा मइया, बनारस हिन्दू विविद्यालय सभी जगह पूजन-अर्चना, माल्यार्पण मोदी ने किया। रोड शो के दौरान जिस तरह दोनों नेता अभिवादन करते चल रहे थे, सब की जुबान पर मोदी-योगी चल रहा था। योगी भगवाधारी हैं ही मोदी भी भगवा कुर्ता और भगवा गमछा के साथ रोड शो कर रहे थे। लोगों को यह जुगलबंदी खूब भा रही है। कल मोदी ने अपने नामांकन के दौरान भी योगी की खूब तारीफ की। उन्होंने कहा कि जो लोग योगी जी को केवल बुलडोजर के नाम से बदनाम करते हैं, वे कान खोल कर सुन लें। जिस तरह से योगी ने यूपी में औद्योगिक विकास किया है, आजादी के बाद विपक्षी सरकारें इतने वर्षो में नहीं कर पाई। मैं काशी का सांसद भी हूं, और मेरे भी मुख्यमंत्री हैं। मैं गर्व महसूस कर रहा हूं कि योगी जैसे व्यक्ति मेरी टीम में हैं। चुनावी सभा के दौरान योगी की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा कि 'एक जिला एक उत्पाद' का मिशन पूरे देश में नया सम्मान पैदा कर रहा है। यह निरंतर दोनों नेताओं में देखने को मिल रहा है एक-दूसरे की तारीफ करना। योगी चुनावी सभा में कह रहे हैं कि मोदी का साथ है तो आज गन्ने के मूल्य से लेकर सुरक्षा, विकास, समृद्धि की बातें हो रही हैं। जिस तरह से दोनों नेता अयोध्या में राम मंदिर बनाने को लेकर आर्थिक विकास से जोड़ रहे हैं, निश्चित रूप से इसे धर्म में आस्था के साथ-साथ आर्थिक समृद्धि के रूप में भी देखा जा रहा है। लाखों श्रद्धालुओं का प्रति दिन आना अपने आप में विकास को गति दे रहा है। रोजगार के अवसर बढ़े हैं। दोनों की जोड़ी अयोध्या के बारे में मंचों से बोल रही है। योगी कहते हैं कि वास्तविकता यह है कि अब उत्तर प्रदेश में अयोध्या-मथुरा-काशी सहित सभी हिन्दू तीर्थस्थलों में भक्तों की भारी भीड़ बढ़ रही है जिसके कारण निवेश बढ़ रहा है।

योगी कहते हैं 'सबका साथ सबका विकास' का जो मोदी का सपना है, वह मोदी की गारंटी के रूप में पूरा हो रहा है। मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद दुनिया का नेतृत्व करने वाला नया भारत बन कर खड़ा हुआ है। अब देश वि की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था की दिशा में जा रहा है। इसमें उत्तर प्रदेश का बड़ा योगदान है। उत्तर प्रदेश में गुंडों की मनमानी की जगह विकास की योजनाएं चल रही हैं। डबल इंजन की सरकार समस्याओं का समाधान दे रही है। मोदी के सशक्त नेतृत्व के कारण भारत ग्लोबल लीडर के रूप में उभरा है। कहा जा सकता है कि लोक सभा चुनाव 2024 में मोदी-योगी की जुगलबंदी ही सबसे प्रभावी रही। दोनों का एक-दूसरे के साथ गजब का सामंजस्य दिख रहा है। जनता की भी मांग इसी जोड़ी की रही।

-राजेश मणि

जमीन धंसाव : अंधाधुंध विकास से बचके

पश्चिमी राजस्थान में घटित जमीन में धंसाव की हालिया दो घटनाओं ने समूचे देश का ध्यान आकर्षित किया है।

सोलह अप्रैल को राजस्थान के बीकानेर जिले की लूणकरणसर तहसील के सहजरासर गांव में एक खेत का लगभग डेढ़ बीघा हिस्सा जमीन में अचानक धंस गया। इस घटना के कारणों के विषय में कई तरह के कयास लगाए जा रहे हैं, जैसे भूगर्भीय प्लेटों में हलचल का होना एवं इस क्षेत्र में व्याप्त विशाल जल राशि के दोहन से उत्पन्न हुए वैक्यूम का लगातार कम होना। किंतु भारतीय भू सर्वेक्षण विभाग के वैज्ञानिक जिस संभावित कारण को सर्वाधिक मान रहे हैं वह है-थार के मरु स्थल के नीचे प्रवाहित सरस्वती नदी के जल के सूखने से उत्पन्न हुए वैक्यूम का लगातार कम होना।

इसी तरह की घटना सात मई को बाड़मेर के नागाणा क्षेत्र में घटित हुई है। यहां तेल के कई कुएंहैं, जिनसे क्रूड ऑयल का उत्पादन हो रहा है। इस क्षेत्र में मंगला टर्मिनल के वेल पेड 3 से 7 के बीच में करीब डेढ़ से दो किलोमीटर लंबी जमीन में दरार आई है। यहां भी जमीन से भारी मात्रा में तेल के दोहन से उत्पन्न हुए रिक्त स्थान के कारण इस घटना का होना माना जा रहा है। वर्ष 2000 के बाद इस तरह की घटनाएं बढ़ी हैं। पूर्व में कोलायत में ऐसे ही जमीन का धंसाव हुआ है। इस तरह की घटनाएं भविष्य में किसी बड़ी भूगर्भीय हलचल के होने की ओर इशारा कर रही हैं, जो चिंता का विषय है। ऐतिहासिक तथ्य है कि सरस्वती नदी राजस्थान में थार के मरु स्थल से होकर बहती थी जो कालांतर में लुप्त हो गई।

इसके पश्चात जीआईएस डाटाबेस के आधार पर इसको पुनर्जीवित करने के अभियान की शुरुआत 'प्रोजेक्ट सरस्वती' के तहत हुई। सैटेलाइट इमेज दिखाती है कि सरस्वती नदी की घाटी हरियाणा में कुरुक्षेत्र, कैथल, फतेहाबाद और सिरसा में समाहित है, जबकि राजस्थान में यह नदी श्री गंगानगर, हनुमानगढ़ और थार के मरु स्थल से होते हुए खम्बात की खाड़ी तक जाती है। बीकानेर और बाड़मेर में हुई घटनाएं सरस्वती नदी घाटी की दिशा में ही घटित हुई हैं। साल 1998 में मिशन सरस्वती योजना के तहत इस क्षेत्र में कई बोरवेल खोदे गए थे जिनसे स्वतः ही पानी निकलता है। भाभा एटॉमिक रिसर्च सेंटर ने इनसे निकलने वाले पानी को तीन हजार से चार हजार साल पुराना होने का दावा किया है। इस क्षेत्र में जमीन के नीचे मीठे पानी की लगभग 40-50 मीटर मोटी परत है।

जमीन के नीचे बहती नदी जब सूखने लगती है तो जहां-जहां पानी गहरा होता है उन स्थानों पर तालाबनुमा और झीलनुमा जलीय स्रेत रह जाते हैं। इस क्षेत्र के आस पास सौ से दो सौ किलोमीटर की परिधि के क्षेत्र में किसानों द्वारा पानी दोहन हो रहा है, जिससे पाताल में लगातार वैक्यूम बन रहा है। जिन स्थानों पर यह स्थिति बन रही है उन रिक्त स्थानों पर जमीन बैठने लगती है। बीकानेर में जमीन धंसने से हुआ लगभग 82 फुट गहरा गड्ढा इसी के परिणामस्वरूप बनता प्रतीत हो रहा है जो लगातार गहरा होता जा रहा है। बाड़मेर में जिस स्थान पर जमीन में दरार आई है वहां ऑयल एंड गैस प्लांट है। इस घटना के कारणों के संबंध में विशेषज्ञों द्वारा प्रथम दृष्ट्या यह आशंका जताई जा रही है कि तेल निकालने के लिए होने वाली ड्रिलिंग के चलते लगभग दो किलोमीटर जमीन में दरार आई है, जबकि कयास यह भी लगाए जा रहे हैं कि यहां कई तेल के कुएं हैं, जिनसे दशकों से क्रूड ऑयल का दोहन हो रहा है, इससे आस पास के क्षेत्र में लगातार वैक्यूम बन रहा है। इस कारण से भी दरार का बनना माना जा रहा है। अतः यह कहना अतिश्योक्ति नहीं होगी की भूमि धंसाव एक मानव प्रेरित घटना है। विभर में भूमि धंसाव के सभी मामलों में लगभग 70 प्रतिशत मानवीय गतिविधियों के कारण होते हैं, जिसमें भूजल निष्कर्षण 60 प्रतिशत है।

उपरोक्त घटनाओं ने भविष्य के लिए अत्यंत चिंताजनक स्थिति उत्पन्न कर दी अतःइन स्थितियों से निपटने के लिए हमें अनुकूल समाधान निकालने होंगे जो इस प्रकार हो सकते हैं-भूजल निष्कर्षण कम करना, जल संरक्षण को बढ़ावा देना और भूजल पुनर्भरण को लागू करना इत्यादि। भूजल पुनर्भरण में कृत्रिम पुनर्भरण जैसी विभिन्न तकनीकों के माध्यम से भूजल संसाधनों को फिर से भरना शामिल है। इस प्रक्रिया का उपयोग जलभृतों में पानी की मात्रा बढ़ाने, भूजल की गुणवत्ता में सुधार करने और अत्यधिक भूजल दोहन के कारण होने वाली भूमि धंसाव को रोकने के लिए किया जाता है। यह न केवल भूमि धंसाव को रोकती है, बल्कि सिंचाई और घरेलू उपयोग के लिए पानी का एक वैकल्पिक स्रेत भी प्रदान कर सकती हैं और साथ ही भूजल की गुणवत्ता में भी सुधार कर सकती हैं। पर्याप्त संख्या में वृक्षारोपण करके भी इस समस्या को काफी हद तक कम किया जा सकता है। हमें अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति करने के साथ-साथ, आने वाली पीढ़ियों की आवश्यकताओं का ध्यान रखते हुए जल संसाधनों का उपयोग करना होगा। 'सतत विकास' की अवधारणा को अपने जीवन में अपनाने के साथ ही 'जल ही जीवन है' इसे संस्कार के रूप में आत्मसात करना होगा तब जाकर हम एक सुरक्षित भविष्य की कल्पना कर सकते हैं।

-डॉ. हंसा मीना

आज का पंचांग

19 मई 2024 को वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि है। इस तिथि पर हस्त नक्षत्र और वज्र योग का संयोग रहेगा। दिन के शुभ मुहूर्त की बात करें तो रविवार को अभिजीत मुहूर्त 11:53-12:41 तक है। राहुकाल 17:23-19:05 मिनट तक रहेगा।

आज का राशिफल

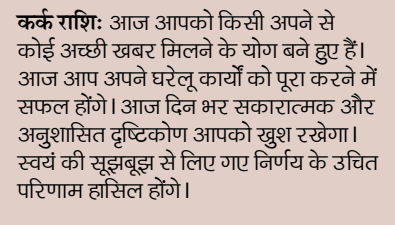

मेष राशि: आज आपके लिए दिन पॉजीटिव रहने वाला है। आज आपका पारिवारिक मामला किसी बड़े बुजुर्ग की सहायता से सुलझ जायेगा, परिवार में फिर से खुशियाँ आ जाएगी। आज अपनी दिनचर्या के कार्यों के अतिरिक्त कुछ और जानकारियां हासिल करने में भी समय बीतेगा। किसी सामाजिक गतिविधियों में आपकी उपस्थिति और विचार सराहनीय रहेंगे। कहीं फंसा हुआ पैसा आज वापस सकता है।

वृष राशि: आज आपका दिन खास रहने वाला है। आज आप कई तरह की गतिविधियों में दिन बिताएंगे इसके साथ ही कठिन से कठिन काम को पूरे निश्चय के साथ पूरे कर लेंगे। आज व्यवसाय में अधिक मुनाफा होने की स्थिति बन रही है। आज कोई भी निर्णय लेने से पहले परिवार वालों की राय जरुर लें।

मिथुन राशि: आज का दिन आपके लिए सफलता दिलाने वाला है। आज ऑफिस में आप किसी नए प्रोजेक्ट पर काम करेंगे आपको सफलता मिलेगी। आज कुछ खास लोगों से मुलाकात का अवसर मिलेगा और रुका काम भी व्यवस्थित होगा।

कर्क राशि: आज आपको किसी अपने से कोई अच्छी खबर मिलने के योग बने हुए हैं। आज आप अपने घरेलू कार्यों को पूरा करने में सफल होंगे। आज दिन भर सकारात्मक और अनुशासित दृष्टिकोण आपको खुश रखेगा। स्वयं की सूझबूझ से लिए गए निर्णय के उचित परिणाम हासिल होंगे।

सिंह राशि: आज का दिन फेवरेबल रहने वाला है। बिजनेस के लिए आज दिन शानदार रहने वाला है। अगर आप रियल स्टेट का काम करते है तो आज कोई बड़ी डील फाइनल हो सकती है। ऑफिस के कार्यभार की अधिकता की वजह से ओवर टाइम भी करना पड़ सकता है।

कन्या राशि: आज आपका दिन बढिय़ा रहेगा। आज परिवार में विशेष लोगों का आवागमन हो सकता है, जिनके खातिरदारी में आप व्यस्त रहेंगे। कविता लिखने के शौकीन लोगों को आगे बढने का प्लेटफार्म किसी दोस्त की मदद से मिलेगा। आज आपके वैवाहिक जीवन में ढेरों खुशियां आएंगी।

तुला राशि: आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। कारोबार में अपनी मेहनत से आगे बढ़ेंगे। आज कोई अच्छी खबर आपको मिलेगी। आज बच्चों के साथ समय बिताएंगे उनके मन की बातों को समझेंगे। काफी समय से आपके रिश्ते की बात चल रही थी वो जल्द पक्की होगी। आज आपके तय किए काम समय से पूरे होते हुए नजर आ रहे हैं।

वृश्चिक राशि: आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आज आपसे कोई मित्र आर्थिक मदद मांग सकता है। नये प्रॉजेक्ट को पूरा करने में अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। अनचाहे भय से मुक्ति मिलेगी। आज आपको पिछले कुछ समय से अपने करियर और निजी जीवन संबंधी किए गए प्रयासों का फल मिलने का समय है।

धनु राशि: आज आपका दिन खुशहाल रहने वाला है। इलेक्ट्रॉनिक्स के कारोबारियों को लाभ के योग बन रहे हैं। वैवाहिक जीवन में अपनापन बढ़ेगा। आज शाम का डिनर बाहर करेंगे। बच्चों के साथ आपसी लगाव बढ़ेगा। शिक्षकों के ट्रांसफर की परेशानियां खत्म होंगी। आप जहाँ चाहते हैं ट्रान्सफर वहीं होगा।

मकर राशि: आज आपका दिन मिला जुला रहेगा। खान-पान में लापरवाही स्वास्थ के लिए हानिकारक साबित हो सकती है। कानूनी कार्यों के लिए भागदौड़ से थकावट का एहसास होगा। दांपत्य जीवन में आज एक दूसरे को समझकर चलना होगा। इससे गलत फेहमियां नहीं होंगी।

कुंभ राशि: आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज के दिन आप किसी नई रचना की शुरुआत भी कर सकते हैं। आज सहकर्मियों की सहायता से आप बड़े से बड़े प्रोजेक्ट को आसानी से निपटा सकते हैं। कार्य क्षेत्र में आ रही समस्यायें आज समाप्त होंगी, जिससे काम करने में मन लगेगा।

मीन राशि: आज आपका दिन मिला जुला रहेगा। आज दोस्त आपका मनोबल बढ़ाएंगे। आज आपके स्वास्थ में बेहतरी बनी रहेगी। आज सोंची हुई कार्य योजनाओं को पूर्ण करने में सफलता मिलेगी। जमीन जायदाद से जुड़े मामलों में सफलता मिलेगी। लवमेट आज शॉपिंग करने जायेंगे, जहां किसी सामान पर अच्छा डिस्काउंट मिलेगा।

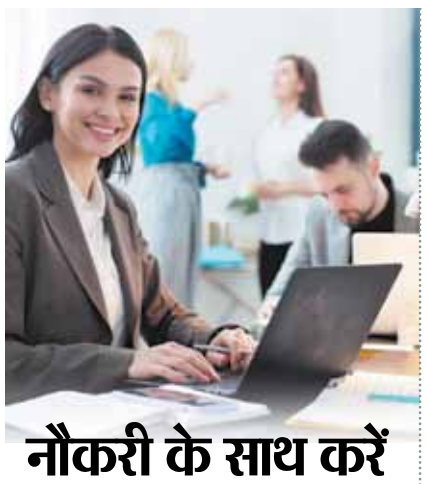

नौकरी के साथ करें ये काम, 1 घंटे में होगी अच्छी कमाई

पैसे की जरूरत सभी को होती हैं। ऐसे में कई बार सैलरी के बाद भी हमें एक्स्ट्रा पैसों चाहिए होते हैं। हालांकि आप चाहे तो पार्ट टाइम काम करके भी काफी पैसे कमा सकती हैं। आज हम आपको बताएंगे कि कैसे आप 1 घंटे पार्ट टाइम काम करके महीने के हजारों रुपये कमा सकती हैं।

कंटेंट राइटर

कंटेंट राइटर की जरूरत सभी कंपनी को होती है। ऐसे में आप चाहे तो डेली का एक घंटा कंटेंट राइटर के तौर पर नौकरी कर सकती हैं। हिंदी या अंग्रेजी किसी भी भाषा में आप कंटेंट लिखकर पोस्ट कर सकती हैं। एक लेख के लिए आप चाहे तो हजारों रुपये चार्ज कर सकती हैं।

वीडियो एडिटिंग

वीडियो एडिटिंग का भी आप काम कर सकती हैं। अगर आपको वीडियो एडिटिंग का काम आता है तो किसी भी कंपनी के लिए या इंफ्लूएंसर के लिए आप वीडियो एडिटिंग का काम कर सकती हैं। वीडियो एडिटिंग के जरिए आप किसी एक वीडियो के लिए हजारों रुपये चार्ज कर सकती हैं।

कोचिंग क्लास

अगर आपका किसी भी विषय में अच्छी पकड़ है तो आपको उस विषय का बच्चों को कोचिंग क्लास देना चाहिए। इसके जरिए भी आप चाहे तो काफी अच्छी कमाई कर सकती हैं। एक घंटे की कोचिंग क्लास में आप चाहे तो 10 से 12 बच्चों को एक साथ ऑनलाइन क्लास दे सकती हैं। अगर आप प्रति स्टूडेंट 2 हजार भी चार्ज करती हैं तो आप काफी पैसे कमा सकती हैं।

ट्विटर अकाउंट करें मैनेज

किसी सेलिब्रिटी का आप ट्विटर अकाउंट भी मैनेज करके हजारों रुपये कमा सकती हैं। आपको केवल उनके तरफ से खास और इंटरेस्टिंग पोस्ट करना होगा। इस काम को करने के लिए आपको केवल 1 घंटे का समय चाहिए। इसके बदले आप हजारों रुपये की कमाई कर सकती हैं।

नौकरी करते हुए भी ऐसे कमा सकते हैं ज्यादा पैसे जानें क्या करना होगा

नौकरी करते समय भी सैलरी से ज्यादा पैसे कमाने के कई तरीके हैं, एंजेल इन्वेस्टमेंट और शेयर बाजार और म्यूचुअल फंड में इन्वेस्ट करके पैसिव इनकम कमा सकते हैं।

आज के दौर में, महंगाई बढ़ रही है और खर्च भी बढ़ते जा रहे हैं। ऐसे में केवल सैलरी पर निर्भर रहना मुश्किल हो सकता है। इसलिए, एक्स्ट्रा इनकम के स्रोत ढूंढना बेहतर विकल्प हो सकता है। इसके साथ ही आपके एंप्लॉयर को भी कोई ऐतराज नहीं होगा। अपनी स्किल्स और अनुभव का इस्तेमाल करके ऑनलाइन या ऑफलाइन फ्रीलांसिंग काम कर सकते हैं। नौकरी करते समय भी सैलरी से ज्यादा पैसे कमाने के कई तरीके हैं, इनमें से कुछ तरीके ये हैं ब्लॉगिंग, सोशल मीडिया पर पेड प्रमोशन, स्टॉक मार्केट में ट्रेडिंग, फ्रीलांसिंग, लेखन, वीडियो अपलोड करना, ईमेल मार्केटिंग, एफिलिएट मार्केटिंग एंजेल इन्वेस्टमेंट, दोस्तों-रिश्तेदारों को लोन देना, म्यूचुअल फंड, ज्योतिष या टैरो परामर्श देना, डिजिटल पाठ्यक्रम या ई-किताबें बनाना और बेचना वर्चुअल ट्यूशन या कोचिंग सत्र आयोजित करना, ऑनलाइन सर्वेक्षणों में हिस्सा लेना, स्टॉक फ़ोटोग्राफ़ी या वीडियो बनाना और बेचना, पॉडकास्ट लॉन्च करना और वेबसाइट डोमेन नाम खरीदना और बेचना। इनके अलावा, आप ये काम भी कर सकते हैं

- ऑनलाइन पढ़ाना
- वेब डिज़ाइन
- वीडियो एडिटिंग
- ऑनलाइन सर्वेक्षणों में हिस्सा लेना
- फ़ोकस समूहों में शामिल होना
- टेम्पलेट और प्रीसेट जैसे डिजिटल उत्पाद बनाना और बेचना
- ई-किताबें लिखना और उन्हें अमेजन किंडल पर बेचना

दोस्त या रिश्तेदार को लोन देकर ज्यादा ब्याज कैसे कमाएं?

एफडी में निवेश करने पर आपको 7-8 फीसदी से ज्यादा ब्याज नहीं मिलता है, जबकि लोन पर आप 10-11 फीसदी ब्याज वसूल सकते हैं। लोन की रकम, ब्याज दर, चुकौती की अवधि और शर्तों आदि का उल्लेख करते हुए एक लिखित समझौता जरूर करें। यह समझौता दोनों पक्षों के हितों की रक्षा करेगा और किसी भी विवाद से बचाएगा। ब्याज दर तय करते समय बाजार की ब्याज दरों का ध्यान रखें। बहुत ज्यादा ब्याज दर लगाने से आपका रिश्ता खराब हो सकता है। अगर आप बड़ी रकम उधार दे रहे हैं, तो कानूनी सलाह लेना भी उचित होगा।

एंजेल इन्वेस्टमेंट हो सकता है बेहतर ऑप्शन

एंजेल इन्वेस्टमेंट, किसी व्यक्ति द्वारा किसी कंपनी में निवेश करने की प्रक्रिया है। आम तौर पर, यह निवेश किसी स्टार्टअप कंपनी में होता है जो विकास के शुरुआती चरण में होती है। एंजेल इन्वेस्टर, कंपनी में इक्विटी के बदले में निवेश करते हैं। एंजेल इन्वेस्टर, कंपनी की संपत्ति पर कोई दावा नहीं करते और इसलिए, उनकी पूंजी असुरक्षित होती है। एंजेल इन्वेस्टर, कंपनी को सफल होने में मदद करने के लिए सलाह या प्रत्यक्ष प्रबंधन सहायता भी देते हैं। इन सबके साथ पैसे के लेन-देन को अपने रिश्ते से अलग रखें।

एंजेल नेटवर्क क्या करता है?

एंजेल नेटवर्क, कई एंजेल निवेशकों का एक समूह होता है। यह पूंजी निवेश से आगे निकलकर, स्टार्टअप्स को उद्योग विशेषज्ञता, सलाह, और मार्गदर्शन भी देता है। इससे स्टार्टअप्स को चुनौतियों से निपटने और सूचित फैसले लेने में मदद मिलती है। एंजेल नेटवर्क से फंडिंग पाने से स्टार्टअप की विश्वसनीयता बढ़ जाती है। इससे स्टार्टअप के लिए बाद के चरण में निवेश आकर्षित करना आसान हो जाता है। एंजेल नेटवर्क, नेटवर्किंग के अवसरों को सुविधाजनक बनाते हैं और स्थानीय स्टार्टअप सिस्टम में योगदान करते हैं। शेयर बाजार और म्यूचुअल फंड में इन्वेस्ट करके पैसिव इनकम कमाने के ये मुख्य तरीके हैं -

- डिविडेंड पाना
- पोर्टफोलियो के स्टॉक पर लाभांश या बॉन्ड के ब्याज से कमाई
- वितरित सेक्युरिटीज़ को लाभ पर बेच कर पूंजीगत लाभ

शेयर बाजार में इन्वेस्ट करने के लिए, सही समय पर बाजार में प्रवेश करना जरूरी है। सबसे कम कीमत पर शेयर खरीदने से संभावित लाभ बढ़ता है। वहीं, जब शेयर की कीमत सबसे ज्यादा हो, तब उसे बेचना फायदेमंद होता है। कुछ कंपनियां अपने शेयरधारकों को डिविडेंड के रूप में लाभांश का भुगतान करती हैं। डिविडेंड एक निश्चित राशि या कंपनी के मुनाफे का एक प्रतिशत हो सकता है।

म्यूचुअल फंड में इन्वेस्ट करने के लिए, 500 या 1,000 रुपये की SIP से शुरुआत की जा सकती है। इसमें साप्ताहिक, मंथली, तिमाही, या सालाना आधार पर SIP के विकल्प मिलते हैं। इसके साथ ही डायरेक्ट प्लान के तहत, सीधे म्यूचुअल फंड की वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन निवेश किया जा सकता है। एडवाइजर, ब्रोकर या डिस्ट्रीब्यूटर के जरिए भी पैसा लगाया जा सकता है। डायरेक्ट निवेश में फंड हाउस को कम चार्ज देना होता है। म्यूचुअल फंड में इन्वेस्टमेंट से होने वाली कमाई, पोर्टफोलियो के स्टॉक पर लाभांश या बॉन्ड के ब्याज से होती है।

कैरियर के लिहाज से अपेक्षाकृत बेहतर विकल्प है फ्रीलांसिंग

देखा जाए तो फ्रीलांसिंग कैरियर के लिहाज से अपेक्षाकृत एक बेहतर विकल्प है। इसमें कंपनियों को इंप्लाइज का बोझ नहीं होता और जरूरत के अनुसार वह एम्पलाई (फ्रीलान्सर्स) से काम ले सकते हैं, बिना किसी लायबिलिटी के!

फ्रीलांसिंग की दुनिया भारत में बेशक बहुत समृद्ध ना रही हो, किंतु विश्व भर में इसका बड़ा प्रचलन है। एक से एक बड़ी वेबसाइटें इसका न केवल कारोबार करते हैं, बल्कि बड़ी से बड़ी और छोटी से छोटी कंपनियां फ्रीलांसर्स के माध्यम से अपने प्रोडक्ट और सर्विसेज को अपने टारगेट ऑडियंस तक पहुंचाती रही हैं। देखा जाए तो फ्रीलांसिंग कैरियर के लिहाज से अपेक्षाकृत एक बेहतर विकल्प है। इसमें कंपनियों को इंप्लाइज का बोझ नहीं होता और जरूरत के अनुसार वह एम्पलाई (फ्रीलान्सर्स) से काम ले सकते हैं, बिना किसी लायबिलिटी के! वहीं इंप्लाइज को भी इससे काफी फायदा होता है, क्योंकि एक फ्रीलांसर के तौर पर उनके पास आजादी होती है तो घर बैठे कार्य करने की सहूलियत भी उन्हें मिल पाती है। वह किसी एक कंपनी से बंधे नहीं रहते हैं, बल्कि अपॉर्चुनिटी के आधार पर और अपनी योग्यता के आधार पर ना केवल वह कार्य कर सकते हैं बल्कि उसी अनुरूप वह पेमेंट ले सकते हैं, और अपनी ग्रोथ सुनिश्चित कर सकते हैं। अगर किसी व्यक्ति के पास ऑप्शन होता है तो वह निश्चित ही घर से कार्य करना चाहेगा। वह निश्चित ही फ्रीलांसिंग करना चाहेगा और ऐसा उसे करना भी चाहिए, क्योंकि ट्रेवल करते समय, ऑफिस जाते समय उसे कहीं ज्यादा खतरा होगा, बजाय घर बैठे फ्रीलांसिंग करने के!

पोर्टफोलियो बनाना आवश्यक

फ्रीलांसिंग की दुनिया अनुभव के आधार पर चलती है। इसमें अनजान लोग आपको मिलते हैं और उन्हीं के माध्यम से आप अपने कार्य को आगे बढ़ाते हैं। ऐसे में अगर आपके पास पहले से पोर्टफोलियो तैयार ना हो, बेशक आप उस कार्य में जितने भी पारंगत क्यों ना हों, तो आपके लिए कार्य प्राप्त करना मुश्किल हो जाता है। इसीलिए अपने पोर्टफोलियो पर ज्यादा ध्यान दें। शुरुआत में बेशक आपको किसी वेबसाइट पर कम पैसे मिले, लेकिन पोर्टफोलियो बन जाने और कस्टमर रिव्यु मिलने के बाद आप मनचाहे रेट पर कार्य कर सकते हैं।

टाइमली डिलीवरी पर रहे ध्यान

ऑनलाइन फ्रीलांसिंग कार्य करने वालों से जो सबसे ज्यादा उम्मीद की जाती है, वह है किसी कार्य की टाइमली डिलीवरी! जी हाँ! अगर आप तय समय पर किसी चीज को डिलीवर करने का वादा करते हैं, बेशक वह कोई पोस्टर हो, कोई वेब डिजाइनिंग हो, कोई मोबाइल एप्लीकेशन हो या कोई आर्टिकल ही क्यों न हो, तो आपको निश्चित समय पर उसकी डिलीवरी सुनिश्चित करनी चाहिए। इसी प्रकार पैसे इत्यादि की शर्तें बेहद साफ होनी चाहिए, क्योंकि अगर कहीं कोई कस्टमर शिकायत करता है या गलत रिव्यु लिखता है तो संबंधित वेबसाइट पर आपकी प्रोफाइल के खराब होने का डर रहता है। खासकर जब एक से अधिक बार कस्टमर रिव्यु खराब मिलने पर नए कस्टमर आपसे जुड़ने से बचने लगेंगे, जो किसी भी फ्रीलांसर के लिए घातक होता है।

इंटरनेशनल मार्किट के लिए अंग्रेजी सीखें

यह कोई अनिवार्यता नहीं है, किंतु अगर आप लगातार इंग्लिश सीखते रहते हैं तो आपको बाकी दुनिया से कनेक्टिविटी बनाने में आसानी रहती है। बल्कि कई फ्रीलांसिंग वेबसाइट तो इसी आधार पर आपको कार्य देती हैं कि आपकी अंग्रेजी का ज्ञान बेहतर है। अगर अंग्रेजी पढ़ने, लिखने और बोलने में आप सिद्धस्त हैं तो आप आसानी से क्लाइंट की बातों को न केवल समझ पाएंगे बल्कि कम्युनिकेशन के माध्यम से उसे प्रभावित भी कर सकेंगे। ऐसे में बेशक अभी आपकी अंग्रेजी बेहतर ना हो, लेकिन अगर आप फ्रीलांसिंग वर्ल्ड में गंभीरता से अपना कैरियर बनाना चाहते हैं, तो अंग्रेजी बेहतर करने की ओर आपका ध्यान लगातार बने रहना चाहिए।

फाइनेंस मैनेजमेंट से जुड़े क्षेत्र में बनाएं कॅरियर

आज के समय में हर छोटी से लेकर बड़ी कंपनियों को अपने पैसे का प्रबंधन बेहद सावधानी से करना पड़ता है। उन्हें मनी मैनेजमेंट कुछ इस तरह करना होता है, ताकि वह अपने लक्ष्यों को आसानी से पूरा कर सकें और लाभ भी कमा सकें। इस लक्ष्यों को पूरा करने व वित्त संबंधी योजनाओं को बनाने के लिए उन्हें एक एक्सपर्ट की जरूरत होती है। यही कारण है कि पिछले कुछ समय में फाइनेंशल एक्सपर्ट्स की डिमांड काफी बढ़ी है। अगर आपको लगता है कि आप पैसे का प्रबंधन बेहद ही कुशलतापूर्वक कर सकते हैं तो इस क्षेत्र में कदम बढ़ा सकते हैं। तो चलिए जानते हैं कैसे बनें एक फाइनेंशियल एक्सपर्ट-

क्या होता है काम

एक फाइनेंशियल एक्सपर्ट का मुख्य काम कंपनी की लागत में कटौती करके उनके लाभ को अधिकतम करना होता है। वे कंपनी की पॉलिसी और उनके लक्ष्यों के आधार पर आय और व्यय की योजनाएं बनाते हैं। ये वास्तव में एक फाइनेंशियल डॉक्टर होते हैं, जो किसी व्यक्ति या संगठन के फाइनेंशियल हेल्थ की देखभाल करने के लिए जिम्मेदार हैं, वित्तीय लक्ष्यों की क्रमबद्ध और व्यवस्थित उपलब्धि सुनिश्चित करते हैं। वित्तीय रिपोर्ट तैयार करना, निवेश गतिविधियों का मार्गदर्शन और समग्र धन प्रबंधन एक वित्तीय प्रबंधक के प्रमुख कर्तव्य हैं। वे वित्तीय रणनीतियों को विकसित करके अपने स्थायी लक्ष्यों को प्राप्त करने में संगठन की मदद करते हैं। अगर किसी कंपनी का वित्तीय प्रबंधन बेहतर होता है तो मुश्किल हालातों में भी कंपनी का अस्तित्व संकट में नहीं आता।

एजुकेशन एक्सपर्ट्स कहते हैं कि फाइनेंस मैनेजमेंट के क्षेत्र में कॅरियर देख रहे छात्रों के पास वित्तीय विश्लेषण व रचनात्मक सोच का होना बेहद जरूरी है। इसके अलावा उनके पास अच्छा संचार व इंटरपर्सनल स्किल्स होना चाहिए। इतना ही नहीं, उन्हें वर्तमान वैश्विक-राष्ट्रीय वित्तीय परिदृश्य के बारे में ज्ञान को हमेशा अपडेट करते रहना चाहिए। साथ ही अच्छे गणितीय और विश्लेषणात्मक कौशल, नवीनतम कंप्यूटर प्रौद्योगिकी का ज्ञान, समस्या-समाधान, निर्णय लेने और संगठन कौशल उनके काम को काफी आसान बनाता है। चूंकि वित्तीय प्रबंधकों को एक फर्म में विभिन्न विभागों के साथ बड़े पैमाने पर काम करना पड़ता है, इसलिए व्यवसाय की व्यापक समझ आवश्यक है। किसी भी विदेशी भाषा में प्रवीणता इस पेशे में एक अतिरिक्त लाभ है।

योग्यता

भारत के अधिकांश बिजनेस स्कूल में एमबीए की पढ़ाई के दौरान फाइनेंस को अलग से पढ़ाया जाता है। इस प्रोग्राम में एडमिशन लेने के लिए छात्र का ग्रेजुएट होना जरूरी है। एमबीए के अलावा आप इस क्षेत्र में सर्टिफिकेट, डिप्लोमा, ग्रेजुएट व पोस्टग्रेजुएट कोर्स करके भी बतौर प्रोफेशनल काम कर सकते हैं। फाइनेंस मैनेजमेंट से संबंधित पाठ्यक्रमों में से कुछ चार्टर्ड फाइनेंशियल एनालिसिस (सीएफए), चार्टर्ड अकाउंटेंसी, कॉस्ट एंड मैनेजमेंट अकाउंटेंसी, सर्टिफाइड ट्रेजरी मैनेजर कोर्स, सर्टिफाइड पब्लिक अकाउंटेंट कोर्स, सर्टिफाइड इन्वेस्टमेंट बैंकर कोर्स, सर्टिफाइड रिस्क एंड इंश्योरेंस मैनेजमेंट कोर्स आदि हैं। इन कोर्स को ज्वॉइन करने के लिए कामर्स या इकोनॉमिक्स में ग्रेजुएशन होना अनिवार्य है।

संभावनाएं

इस क्षेत्र में अवसरों की कोई कमी नहीं है। सरकारी एजेंसियां, निजी कॉर्पोरेट और वित्तीय संगठन जैसे बैंक और बीमा उद्योग आदि अपने प्रतिष्ठानों में वित्तीय प्रबंधकों को नियुक्त करते हैं। यहां तक कि दान संगठनों जैसे गैर-लाभकारी संगठनों को भी एक वित्त प्रबंधकों की आवश्यकता होती है। हालांकि वित्त में एक संभावित उम्मीदवार से यह उम्मीद की जाती है कि वह किसी बड़े कॉर्पोरेट में जाने से पहले किसी भी छोटे संगठनों में कुछ पेशेवर अनुभव हासिल करे। कुछ वर्षों के अनुभव के बाद आप सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि विदेशों में भी जॉब की तलाश कर सकते हैं।

कॅरियर कोच कहते हैं कि इस क्षेत्र में आमदनी आपके कार्य कौशल और अनुभव के आधार पर बढ़ती जाती है। एमबीए करने के पश्चात एक फ्रेशर 10000 से 30000 रूपए प्रतिमाह आसानी से कमा सकता है। वहीं कुछ वर्षों के अनुभव के बाद आपकी आमदनी 50000 रूपए से लेकर लाखों रूपए प्रतिमाह तक हो सकती है। वहीं एक इंडिपेंडेंट फाइनेंशियल प्लानर घंटों के हिसाब से कंसल्टेंशन चार्ज लेते हैं।

संक्षिप्त समाचार

अंडर-15 आईलीग 2023-24

आरा एफसी को 5-0 से हराकर मिनर्वा बॉयज टॉप पर

चंडीगढ़, एजेंसी। मिनर्वा एफसी ने अंडर-15 आई-लीग में अपना दबदबा कायम रखते हुए आरा एफसी पर 5-0 से शानदार जीत हासिल की। इस जीत के साथ टीम ने ग्रुप में टॉप स्पॉट अपने नाम कर लिया है। उन्होंने मैच के दौरान पूरा कंट्रोल के साथ गेम को आगे बढ़ाया और वे आक्रामकता के साथ विपक्षी पर दबाव बनाते रहे। उन्होंने किसी को अपने आगे टिकने का मौका नहीं दिया। मैच के शुरुआत से ही मिनर्वा ने मूव बनाए और चौथे मिनट में जायद के तेज गोल से मैच में माहौल तैयार कर दिया। टीम ने गति जारी रखी। 11वें मिनट में मूसा आशिक ने गोल किया और उसके बाद 31वें मिनट में जायद ने दूसरा गोल किया। हाफ टाइम तक मिनर्वा ने 3-0 की अच्छी बढ़त हासिल कर ली थी। दूसरा हाफ भी उतना ही प्रभावशाली साबित हुआ। 56वें मिनट में बाइटे ने गोल किया और 71वें मिनट में राज ने पेनल्टी शॉट के साथ टीम की जीत पक्की कर दी। मैच के अंत तक बोर्ड पर स्कोर मिनर्वा के पक्ष में 5-0 था। उन्होंने आरा एफसी पर लगातार दबाव बनाया और वे अटैक के साथ आगे रहे। मैदान पर मिनर्वा ने अटूट दृढ़ संकल्प और कौशल का प्रदर्शन किया। इस शानदार जीत ने अंडर-15 आई-लीग में शीर्ष दावेदार के रूप में मिनर्वा एफसी की स्थिति को और मजबूत कर दिया। फैंस को उनके अगले मैच का बेसब्री से इंतजार है।

थाईलैंड ओपन

भारत का डबल्स वर्ग में शानदार प्रदर्शन

सात्विक-चिराग तथा तनीषा-अश्विनी सेमीफाइनल में पहुंचे

बैंकॉक, एजेंसी। विश्व रैंकिंग में तीसरे स्थान काबिज भारतीय जोड़ी ने इस सुपर 500 टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में आरिफ और याप पर 21-7, 21-14 से आसान जीत हासिल की। भारतीय डबल्स जोड़ियों ने थाईलैंड ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने-अपने मुकाबलों में जीत दर्ज की। भारत की शीर्ष पुरुष डबल्स जोड़ी सात्विकसाईराज रेंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने थाईलैंड ओपन में मलेशिया के जुनैदी आरिफ और रॉय किंग याप पर सीधे गेम में जीत के साथ सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की की।

सात्विक-चिराग का सामना अब चीनी ताइपे की जोड़ी से होगा- विश्व रैंकिंग में तीसरे स्थान काबिज भारतीय जोड़ी ने इस सुपर 500 टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में आरिफ और याप पर 21-7, 21-14 से आसान जीत हासिल की। एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता भारतीय जोड़ी का सामना अंतिम चार चरण में चीनी ताइपे के लू मिंग-चे और तांग काई-वेई की जोड़ी से होगा।

गंभीर बन सकते हैं भारत के हेड कोच

बीसीसीआई ने इच्छा जानने के लिए संपर्क किया 27 मई तक अप्लाई करना होगा

नईदिल्ली, एजेंसी। बीसीसीआई ने भारतीय टीम का हेड कोच बनने के लिए भारत के पूर्व बल्लेबाज गौतम गंभीर से संपर्क किया है। गंभीर से यह पूछने के लिए कॉन्टैक्ट किया है कि वे टीम के हेड कोच बनना चाहते है या नहीं। आईपीएल 2024 पूरा होने के बाद आगे चर्चा होने की उम्मीद है। इस सीजन गंभीर चयक्र के मेंटर है। पॉइंट्स टेबल में उनकी टीम टॉप पर है और प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई कर चुकी है। राहुल द्रविड़ फिलहाल टीम इंडिया के हेड कोच हैं। उनका कार्यकाल अमेरिका और वेस्टइंडीज में होने वाले टी-20 वर्ल्ड कप के बाद खत्म हो जाएगा।

टीम इंडिया के हेड कोच के लिए 27 मई तक अप्लाई करना होगा- भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने टीम इंडिया के हेड कोच पद के लिए आवेदन मंगवाए हैं। बोर्ड ने सोमवार (13 अप्रैल) देर रात उम्मीदवारों के लिए विज्ञापन जारी किया था। उम्मीदवार 27 मई की शाम 6 बजे तक अप्लाई कर सकते हैं।

गंभीर ने बतौर प्लेयर 2 वर्ल्ड कप और 2 आईपीएल जीते- गंभीर बतौर खिलाड़ी 2007 में भारत की टी-20 वर्ल्ड कप जीत और 2011 में वनडे वर्ल्ड कप जीत का हिस्सा थे। उन्होंने 2011 से 2017 तक सात आईपीएल सीजन के लिए केकेआर की कप्तानी की, और उन्होंने पांच बार प्लेऑफ के लिए भी क्वालिफाई किया। बतौर कप्तान उन्होंने साल 2012 और 2014 में दो खिताब जीते।

गंभीर के पास कोचिंग का अनुभव नहीं

42 साल के गंभीर को इंटरनेशनल या डोमेस्टिक लेवल पर कोचिंग का कोई अनुभव नहीं है, वह दो आईपीएल फ्रेंचाइजी में कोचिंग स्टाफ के इंचार्ज रहे हैं। आईपीएल 2022 और 2023 में वे लखनऊ सुपर जाइंट्स के मेंटर थे। वहीं। 2024 सीजन में चयक्रके साथ जुड़े। गंभीर ने रुस्त्र में रहते पहले दोनों सीजन में टीम को प्लेऑफ तक पहुंचाया। वहीं, इस सीजन भी चयक्र क्वालिफाई कर चुका है।

भारत का कोच बनना थकाऊ काम है...

ऑस्ट्रेलिया जाते-जाते ये क्या कह गए जस्टिन लैंगर

नईदिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के पूर्व दिग्गज और कोच रह चुके जस्टिन लैंगर ने भारती टीम के कोच बनने पर अपना बयान दिया है। लैंगर का मानना है कि भारत का कोच बनना क्रिकेट जगत की सबसे बड़ी जिम्मेदारियों में से एक है और अगर टाइमिंग सही नहीं हो तो यह काफी थकाऊ काम हो सकता है। आईपीएल के इस सत्र में लखनऊ सुपर जाइंट्स के कोच रहे लैंगर से कई बार पूछा गया कि क्या वह भारत का कोच बनने के इच्छुक हैं चूंकि राहुल द्रविड़ का कार्यकाल टी20 विश्व कप के बाद खत्म हो रहा है। लैंगर ने एक सवाल के जवाब में कहा, यह क्रिकेट का सबसे बड़ा काम है, भारतीय टीम का मुख्य कोच बनना। उन्होंने कहा, एक तो इतना अधिक क्रिकेट हो रहा है और दूसरा अपेक्षाओं का भारी दबाव। यह काफी चुनौतीपूर्ण है लेकिन रोमांचक भी होगा। उन्होंने कहा, इसके लिए टाइमिंग सही रहने की जरूरत है। मैं ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के साथ करीब चार साल था। ये काफी थकाऊ काम है।

राहुल का आईपीएल में बड़ा कारनामा

मुंबई इंडियंस के खिलाफ हासिल की खास उपलब्धि

मुंबई, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 17वें सीजन में लखनऊ सुपर जाएंट्स की टीम भले ही प्लेऑफ में अपनी जगह बनाने में कामयाब नहीं हो सकी, लेकिन उनके कप्तान केएल राहुल का बल्ले से बेहतरीन प्रदर्शन देखने को मिला है। मुंबई इंडियंस के खिलाफ टीम के आखिरी लीग मुकाबले में भी राहुल के बल्ले से 55 रनों की बेहतरीन पारी देखने को मिली। इसी के साथ राहुल ने जहां आईपीएल के 17वें सीजन में अपने 500 रनों के आंकड़े को पार किया तो वहीं अब वह आईपीएल इतिहास में मुंबई इंडियंस के खिलाफ सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी भी बन गए हैं।

राहुल ने धवन को छोड़ा पीछे

मुंबई इंडियंस के खिलाफ केएल राहुल से पहले आईपीएल में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड शिखर धवन के नाम पर था, जिन्होंने 28 मैचों में 39.17 के औसत से 901 रन बनाए थे, वहीं राहुल ने अब धवन को पीछे छोड़ दिया है, जिसमें उन्होंने मुंबई के खिलाफ 18 मैचों में 79.16 के औसत से 950 रन बनाए हैं। राहुल ने इस दौरान मुंबई के खिलाफ तीन शतकीय और 6 अर्धशतकीय पारियां भी खेली हैं। राहुल का आईपीएल के इस सीजन भी बल्ला जमकर बोलता देखने को मिला है, जिसमें उन्होंने 37.14 के औसत से 520 रन बनाए हैं।

आईपीएल के एक सीजन में छठी बार राहुल ने बनाए 500 प्लस रन

केएल राहुल ने आईपीएल के 17वें सीजन में 14 मैचों में जहां 520 रन बनाए तो वहीं उनके बल्ले से 4 अर्धशतकीय पारियां भी देखने को मिली। राहुल अब आईपीएल इतिहास में एक सीजन में सबसे ज्यादा बार 500 प्लस रन बनाने के मामले में तीसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। राहुल के बल्ले से छठी बार 500 प्लस रन देखने को मिले हैं। वहीं इस लिस्ट में पहले स्थान पर संयुक्त रूप से डेविड वॉर्नर और विराट कोहली हैं, जिसमें दोनों ने अब तक 7-7 बार ये कारनामा किया है।

अब टी20 विश्व कप में शर्मा जी के बेटे का समर्थन करूंगा : केएल राहुल

मुंबई, एजेंसी। लखनऊ सुपर जाइंट्स (एलएसजी) के कप्तान के.एल. राहुल ने कहा कि अब वह अपने ससुर के साथ आगामी आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप में शर्मा जी का बेटा और अपने साथियों को प्रोत्साहित करेंगे। लखनऊ ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 में अपने आखिरी मैच में रोहित शर्मा की टीम मुंबई इंडियंस को शुक्रवार रात वानखेड़े स्टेडियम में धूल चटाई। शुक्रवार आधी रात को वानखेड़े स्टेडियम में एलएसजी द्वारा मुंबई इंडियंस को 18 रन से हराने के बाद आधिकारिक प्रसारणकर्ता से बात करते हुए राहुल ने कहा, मुझे अब मेरे ससुर का समर्थन मिला है और हम दोनों टी20 विश्व कप में शर्माजी का बेटा (कप्तान रोहित शर्मा,भारत) के लिए जयकार करेंगे। राहुल के जवाब में ब्रॉडकास्टर स्टार स्पोर्ट्स द्वारा राहुल के ससुर और प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता सुनील शेट्टी द्वारा आईपीएल में स्थानीय टीम मुंबई इंडियंस के शीर्ष स्टार रोहित शर्मा का समर्थन करने वाले प्रचार वीडियो की ओर इशारा किया गया। हालाँकि शेट्टी की जड़ें कर्नाटक में हैं, जहाँ से राहुल भी आते हैं, उन्होंने अपना जीवन मुंबई में बिताया है और एक लोकप्रिय फिल्म स्टार के रूप में नाम कमाया है।

व्यापार

निवेशकों का देश बन रहा भारत, पूंजीगत बाजार बनेगा विकास का इंजन : उदय कोटक

नई दिल्ली, एजेंसी। कोटक महिंद्रा बैंक के संस्थापक और नॉन एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर उदय कोटक ने कहा कि भारत तेजी से निवेशकों का देश बन रहा है। यह बदलाव काफी उत्साहजनक है। पैनल में बातचीत के दौरान कोटक ने कहा कि अगर भारत को अपने भविष्य को वित्त पोषित करना है तो पूंजीगत बाजार इसके लिए एक विशाल इंजन है। ये बातें उन्होंने भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) की वार्षिक बिजनेस समिट में कही। उन्होंने आगे कहा कि म्यूचुअल फंड में एसआईपी तेजी से बढ़ रही है और एयूएम में भी काफी तेजी से इजाफा हो रहा है। हमें पूंजी आधारित बाजार बनाने की इच्छा को लेकर स्पष्ट होना होगा लेकिन हम बाजार की स्थिरता को नहीं छोड़ सकते। हमने अपने बाजारों में वृद्धि देखी है। हमें फंडामेंटल का ध्यान रखना होगा, क्योंकि स्टॉक बाजार का आखिरी उद्देश्य पूंजी बनाना होता है।

छह साल का रिकॉर्ड टूटा, 1.76 करोड़ लोगों को 2023-24 में मिला रोजगार

सीएमआईई ने जारी किए रोचक आंकड़े

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में बेरोजगारी के बीच चौंकाने वाले आंकड़े आए हैं। वित्त वर्ष 2023-24 में 1.76 करोड़ लोगों को काम मिला है। वित्त वर्ष यह 2016-17 के बाद से सबसे अधिक वृद्धि है। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकनॉमी यानी सीएमआईई के आंकड़ों के मुताबिक, वित्त वर्ष 2022-23 में कुल 40.57 करोड़ लोगों के पास काम था। 2023-24 में यह बढ़कर 42.33 करोड़ हो गया। आंकड़ों के मुताबिक, 2022-23 की तुलना में 2023-24 में रोजगार लगभग 4.3 प्रतिशत बढ़ा है। रोजगार दर 2022-23 में 36.5 प्रतिशत से बढ़कर 2023-24 में 37.2 प्रतिशत हो गई। सबसे ज्यादा रोजगार कृषि और सेवा क्षेत्र में है। कुल रोजगार में इनका हिस्सा करीब 35-40 प्रतिशत है। उद्योग का हिस्सा 25 प्रतिशत है।

वित्त वर्ष 2023-24 में रोजगार में वृद्धि मुख्य रूप से सेवा क्षेत्र में भारी तेजी के कारण हुई। कृषि क्षेत्र में भी नौकरियां बढ़ीं, लेकिन औद्योगिक क्षेत्र में गिरावट दर्ज की गई। सेवा क्षेत्र में वित्त वर्ष 2016-17 के बाद रोजगार का रिकॉर्ड बना है। इसी अवधि में कुल रोजगार में सेवाओं की नौकरियों की हिस्सेदारी वित्त वर्ष 2022-23 में 36.6 प्रतिशत से बढ़कर वित्त वर्ष 2023-24 में 38.9 प्रतिशत हो गई। पिछले वित्त वर्ष की हिस्सेदारी कोरोना महामारी से पहले के वर्षों से भी ज्यादा अच्छी है। आंकड़ों के अनुसार, सेवा क्षेत्र में लगभग 70 प्रतिशत कार्यबल खुदरा व्यापार, होटल और पर्यटन और व्यक्तिगत गैर-पेशेवर सेवाओं में कार्यरत है।

1.6 करोड़ रोजगार 2023-24 में सेवा क्षेत्र में मिला

2023-24 में सेवा क्षेत्र में 1.6 करोड़ को नौकरियां मिलीं। इसमें से करीब 96 लाख को व्यक्तिगत गैर-पेशेवर सेवाओं में नौकरियां मिलीं। इनमें नाई, बढ़ई, प्लंबर जैसी कुशल नौकरियां शामिल हैं। गैर-कुशल सेवा प्रदाता जैसे माली, चौकीदार, समाचार पत्र वितरक भी शामिल हैं।

खुदरा व्यापार में सर्वाधिक रोजगार

सेवा क्षेत्र में सबसे अधिक नौकरियां खुदरा व्यापार में हैं। इसमें मॉल, राशन की दुकानों में काम करने वाले, फेरीवाले और खुदरा बाजारों में छोटे व्यापारी समेत अन्य लोग हैं। 2023-24 में खुदरा व्यापार में 6.88 करोड़ लोग काम कर रहे थे। खुदरा व्यापार में रोजगार 2022-23 में बढ़ने के साथ 2023-24 में भी ऊंचे स्तर पर रहा। सीएमआईई के आंकड़ों के मुताबिक, सेवा क्षेत्र की नौकरियों में व्यक्तिगत गैर-पेशेवर सेवाओं की नौकरियों का हिस्सा वित्त वर्ष 2022-23 में 13.6 प्रतिशत से बढ़कर वित्त वर्ष 2023-24 में 18.1 प्रतिशत हो गया। वित्त वर्ष 2020-21 और 2022-23 के बीच यह अनुपात 20.2 प्रतिशत से घटकर 13.6 प्रतिशत तक चला गया था।

आयोग का डर: चुनावी आचार संहिता के कारण नकदी संग यात्रा करने से बच रहे व्यापारी

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में आम चुनाव हो रहे हैं। लोकसभा चुनाव 2024 की वजह से देश में आचार संहिता लागू है। इसकी वजह से अधिक नकदी लेकर यात्रा करना मुशिकल भरा सफर हो गया है। इसलिए व्यापारी दिल्ली और मुंबई जैसे शहरों में जाने से बच रहे हैं। चुनावों में धनबल का इस्तेमाल होना एक आम बात है। हर चुनावों में चुनाव आयोग धनबल के प्रयोग को रोकने के लिए भरसक प्रयास करता है। क्योंकि प्रत्याशियों की ओर से मतादाताओं को लुभाने के लिए नकदी बांटने की आशंका बनी रहती है।

ऐसे में चुनाव आयोग के निर्देश पर

जगह-जगह नकदी के हस्तांरण का पता लगाने के लिए तलाशी ली जाती है। दूसरी ओर विभिन्न कारोबार से जुड़े व्यापारियों कोअपना माल खरीदने के लिए मुंबई, दिल्ली, सूरत, अहमदाबाद, कोलकाता जैसे शहरों में नकदी लेकर आना-जाना पड़ाता है। हालांकि इन दिनों चुनाव आयोग की कार्रवाई के डर से व्यापारी नकद के साथ सफर करने से बच रहे हैं। कारण है कि यदि व्यापार के लिए ले जाने वाली नकदी चुनाव आयोग के हाथ लग जाए तो उसे वापस लेने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा है, समय अलग बर्बाद होता है। व्यापारियों की ओर से अपनी यात्राएं टालने से कारोबार पर भी इसका असर पड़ रहा है। सूरत के होलसेल कपड़ा व्यापारी राजीव शाह बताते हैं कि कपड़ा बाजार पहले से मंदी का सामना कर रहा है। यहां होलसेल बाजार से खरीदी करने के लिए उत्तर और दक्षिण भारत के राज्यों से व्यापारी साड़ी, सूट और बच्चों के कपड़े लेने आते हैं। लेकिन चुनाव होने की वजह से व्यापारियों ने इसमें कटौती कर दी है। चेकिंग और नाकाबंदी की वजह से व्यापारी खरीदी के लिए नहीं आ रहे हैं।

महिलाएं शुरू कर सकेंगी खुद का कारोबार, आसानी से मिलेगा लोन, एचडीएफसी बैंक को मिला है तगड़ा फंड

नई दिल्ली, एजेंसी। महिलाएं अब आसानी से खुद का कारोबार शुरू कर सकती हैं। कारोबार को शुरू करने के लिए लोन की जरूरत होती है। अब महिलाओं का इसकी समस्या नहीं होगी। महिलाओं को आसानी से लोन मिल सकेगा। दरअसल एचडीएफसी बैंक को महिलाओं को छोटे लोन देने के लिए अंतरराष्ट्रीय वित्तीय निगम से 500 मिलियन डॉलर का फंड मिला है। यह बैंक इन पैसों का इस्तेमाल महिला स्वयं सहायता समूह और संयुक्त देयता समूह को छोटे लोन देने के लिए करेगा। ये समूह महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए चलाए जाते हैं।

अभी भारत में महिलाओं को छोटे लोन देने वाली गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां ज्यादा सक्रिय हैं। दिसंबर 2023 तक, इन कंपनियों ने करीब 4.7 करोड़ महिलाओं को 31.6 बिलियन डॉलर के लोन दिए थे। लेकिन, ये कंपनियां आपस में बहुत बंटी हुई हैं और इनके पास ज्यादा पूंजी भी नहीं होती। साथ ही, उन्हें लोन देने के लिए ज्यादा ब्याज भी चुकाना पड़ता है। इसी वजह से एचडीएफसी बैंक जैसी बड़ी बैंकों की मदद से महिलाओं को आसानी से लोन मिल सकेगा और वे अपना खुद का कारोबार शुरू कर सकेंगी।

महेश बाबू और राजामौली की फिल्म में शामिल होंगे पृथ्वीराज सुकुमारन

फिल्म निर्माता एसएस राजामौली इन दिनों महेश बाबू के साथ अपनी अगली फिल्म पर काम कर रहे हैं, जिसका अस्थायी शीर्षक एसएसएमबी 29 है। फिल्म को लेकर लगातार नई जानकारियां सामने आ रही हैं।

कुछ दिनों पहले फिल्म में वीरेन स्वामी के शामिल होने की अफवाहें थीं, जिसे निर्माताओं ने आधिकारिक बयान साझा कर खारिज कर दिया। वहीं, अब फिल्म में एक और साउथ अभिनेता के फिल्म में अहम भूमिका निभाने की चर्चा हो रही है। रिपोर्ट्स के अनुसार, पृथ्वीराज सुकुमारन की फिल्म में नए कलाकार के रूप में शामिल होने उम्मीद है। कहा जा रहा है कि फिल्म में पृथ्वीराज सुकुमारन के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाने को लेकर निर्माता विचार कर रहे हैं। खबर है भी है कि एसएस राजमौली इस संभावित सहयोग के बारे में अभिनेता से बातचीत कर रहे हैं। हालांकि, इस बारे में निर्माताओं की ओर से कोई भी आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है। यदि पृथ्वीराज सुकुमारन इस फिल्म में शामिल होते हैं तो यह फैंस के लिए बड़ा तोहफा होगा। फिलहाल निर्माताओं की ओर से आधिकारिक पुष्टि का इंतजार करना होगा। पृथ्वीराज सुकुमारन हाल ही में द गोट लाइफ के साथ ब्लॉकबस्टर फिल्म दे चुके हैं। इससे पहले बीते दिन निर्माताओं ने जाने-माने कास्टिंग डायरेक्टर वीरेन स्वामी को काम पर रखने की अफवाहों का खंडन किया। प्रोडक्शन कंपनी श्री दुर्गा आर्ट्स ने पुष्टि की है कि वीरेन स्वामी उनके प्रोजेक्ट का हिस्सा नहीं हैं। महेश बाबू फिल्म के लिए एक अलग लुक तैयार कर रहे हैं और एसएस राजामौली ने उन्हें सार्वजनिक जगहों पर ज्यादा जाने से बचने के लिए कहा है, ताकि फिल्म के लिए उनके लुक को गुप्त रखा जा सके। वहीं, दोनों ने फिल्म की कहानी के बारे में चुप्पी साध रखी है। उन्होंने अभी तक शीर्षक का भी खुलासा नहीं किया है। हालांकि, हाल ही में एक साक्षात्कार में एसएस राजामौली ने फिल्म के बारे में बात की थी और बताया था कि उनकी कहानी तैयार है और हीरो भी तैयार है। फिल्म प्री-प्रोडक्शन में है। कास्टिंग पूरी नहीं हुई है, लेकिन जल्द ही इस पर काम हो जाएगा। इस पर तेजी से काम जारी है।

अब किसी भी प्रोजेक्ट के लिए वजन नहीं बढ़ाउंगी

फिल्म पिचाईकरण 2 के गाने नाना बुलुकु के लिए 10 किलो वजन बढ़ाने वाली एक्ट्रेस शिवांगी वर्मा ने अपना वजन घटाने के अनुभव के बारे में बात की और कहा है कि वह किसी भी प्रोजेक्ट के लिए अपना वजन दोबारा कभी नहीं बढ़ाएंगी। छोटी सरदारनी, रिपोर्टर्स और टीवी, बीवी और मैं में अपने काम के लिए मशहूर एक्ट्रेस ने साझा किया कि वह समर्पण और कड़ी मेहनत से 10 किलो वजन कम करने में सफल रहीं। शिवांगी ने कहा, मैंने इसे किसी तरह मैनेज किया। 69 से 59 तक पहुंचने में मुझे सचमुच एक साल लग गया। मेरे डाइटिशियन को धन्यवाद, मुझे लगता है कि मैं काफी फोकस्ड थी। मेरा वर्कआउट सही था, यही वजह है कि मैं वजन कम करने में सफलता हासिल कर पायी। हालांकि, अब उन्होंने तय कर लिया है कि वो किसी भूमिका के लिए वजन बढ़ाने के लिए सहमत नहीं होंगी। नच बलिए सीजन 6 के फाइनलिस्ट ने कहा, अब, मैं कभी भी किसी प्रोजेक्ट के लिए वजन नहीं बढ़ाऊंगी। अगर मुझे ऐसा करना पड़े तो मैं प्रोजेक्ट को छोड़ दूंगी। वजन कम करने के सबसे महत्वपूर्ण पहलुओं के बारे में, शिवांगी ने कहा, पहला है सही डाइट लेना, दूसरा है रोजाना वर्कआउट करना और तीसरा है अपनी इच्छाशक्ति को बरकरार रखना। मुझे लगता है कि आपको अपने ऊपर कंट्रोल रखने की जरूरत है। आपकी जीभ ही यह तय करती है कि आप कितना वजन बढ़ाते हैं या घटाते हैं।

आ रहे हैं पंकज त्रिपाठी, क्रिमिनल जस्टिस के चौथे सीजन का हुआ एलान

हॉस्टार के एक्स हैंडल से जारी किए गए वीडियो में कोर्ट का नजारा है। वकील बने पंकज त्रिपाठी कहते हैं, मशहूर चिकित्सक.... इसके बाद वे दर्शकों की तरफ देखते हुए कहते हैं, कोर्ट जारी है, जाइए। फिर कहते हैं, रुकिए, हम आ रहे हैं, वहां देखिएगा इत्मिनान से और जाइए। सीरीज का निर्देशन रोहन सिप्पी कर रहे हैं। इसे बीबीसी स्टूडियोज इंडिया के साथ मिलकर अप्लॉज एंटरटेनमेंट प्रोड्यूस करेगा। सीरीज का नया सीजन जल्द ही डिज्नी हॉटस्टार पर स्ट्रीम होगा। दर्शकों की इस पसंदीदा सीरीज में माधव मिश्रा (पंकज त्रिपाठी) एक बार फिर लौट रहे हैं। पंकज त्रिपाठी ने इस सीरीज में अपने किरदार के बारे में बात की। अभिनेता ने कहा, ऑनस्क्रीन मशहूर वकीलों की लिस्ट में मुझे लगता है कि माधव मिश्रा ने भी क्रिमिनल जस्टिस के जरिए अपनी जगह बनाई है। मुझे विश्वास नहीं हो रहा है कि सीरीज में माधव का किरदार मुझसे कितना मिलता है। उसकी हर जीत और हर हार मुझे अपनी सी लगती है। अब हम क्रिमिनल जस्टिस का चौथा सीजन लेकर आ रहे हैं। इसमें हम माधव मिश्रा के जीवन और जटिल मामलों को आसानी और स्थिरता के साथ पेश करने की काबिलियत से रूबरू कराएंगे। मैं इस सीरीज को लेकर बेहद उत्साहित हूं। उम्मीद है कि दर्शक इस सीजन को भी पहले की तरह ही प्यार देना जारी रखेंगे।

भूमि पेडनेकर ने फैशन को बनाया अपना आत्मविश्वास

बॉलीवुड अभिनेत्री भूमि पेडनेकर अपनी प्रोफेशनल लाइफ के अलावा अपनी निजी जिंदगी को लेकर भी खूब चर्चा में चलती रहती हैं। अभिनेत्री की पिछली फिल्म भक्षक दर्शकों को खूब पसंद आई थी। यह फिल्म फ्लॉप की कतार में अभिनेत्री के लिए संजीवनी साबित हुई थी। अब हाल ही में, भूमि ने खुलासा किया कि कैसे उन्हें ड्रेसेस के साथ खेलने में मजा आता है और उन्होंने इसे अपना कॉलिंग कार्ड बनाने के लिए फैशन की ओर रुख किया। बॉलीवुड स्टार भूमि पेडनेकर अपने स्टाइल स्टेटमेंट और अपनी शानदार ड्रेस चॉइस से मीडिया और दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर रही हैं। भूमि ने मुंबई की एक युवा लड़की के रूप में फैशन के प्रति अपने प्रेम को अपनाया है और अब वह एक के बाद एक फैशन की दुनिया में धूम मचा रही हैं। भूमि ने हाल ही में, एक इंटरव्यू में कहा, जब मैं बड़ी हो रही थी, मुझे आत्मविश्वास महसूस करने में कठिनाई होती थी, खासकर अपनी बॉडी को अपनाने में सबसे ज्यादा दिक्कत हुई थी, लेकिन इसे परिभाषित करने की बजाय, मैंने फैशन की ओर रुख किया। जैसे-जैसे मैं बड़ी होती गई, सुंदरता और फैशन के बारे में मेरा रिश्ता और समझ विकसित हुई है। उन्होंने आगे कहा, यह अब सिर्फ अच्छा दिखने या रुझानों का पालन करने के बारे में नहीं है। यह मेरे व्यक्तित्व को अपनाने के बारे में है। मेरे लिए आज फैशन और सुंदरता एक ऐसा माध्यम बन गया है, जिसके जरिए मैं खुद को रिप्रजेंट कर सकती हूं और अपनी मन- स्थिति को व्यक्त कर सकती हूं!

प्यार में अटूट विश्वास रखती हैं कैटरीना कैफ

बॉलीवुड अभिनेत्री कैटरीना कैफ और विक्की कौशल बी टीउन के पावर कपल में से एक हैं। दोनों अक्सर एक-दूसरे के प्रति अपना प्यार जाहिर करते हुए नजर आते हैं। हाल ही में अभिनेत्री ने पति विक्की का जन्मदिन मनाया है। इस दौरान की तस्वीरें सोशल मीडिया पर छाई हुई हैं। कैटरीना का एक पुराना इंटरव्यू सामने आया है, जिसमें वह रिश्तों के बारे में बात करती हुई नजर आ रही हैं। कैटरीना कैफ से बातचीत के दौरान सवाल किया गया कि क्या रणबीर कपूर से ब्रेकअप के बाद रिश्तों को लेकर उनका नजरिया बदला है। इसका जवाब देते हुए अभिनेत्री ने कहा कि प्यार के बारे में उनकी राय कभी नहीं बदलेगी। कैटरीना ने कहा, मुझे लगता है कि प्यार के बारे में मेरे विचार और अधिक विकसित हुए हैं। उन्होंने कहा, मैंने रिश्तों को अधिक निस्वार्थता के साथ निभाना सीखा है। प्यार को लेकर मेरा दृढ़ विश्वास, प्यार में जुनून और ईमानदारी वैसी ही हेगी। कैटरीना कैफ के ये विचार प्यार को लेकर उनकी समझ को दर्शाते हैं।

'श्रीकांत' को मिला अक्षय और अनुभव सिन्हा का सहारा

तमाम जतन करके भी अब जबकि निर्देशक तुषार हीरानंदानी की राजकुमार राव, ज्योतिका, अलाया एफ और शरद केलकर अभिनीत फिल्म 'श्रीकांत' पहले हफ्ते में अपनी लागत की आधी रकम वसूलने में भी नाकाम रही है तो टिकट खिड़की पर इसे धक्का लगाने की जिम्मेदारी अभिनेता अक्षय कुमार और निर्देशक अनुभव सिन्हा ने संभाली है। उनके अलावा और भी कई सितारों ने अब जाकर फिल्म के बारे में सोशल मीडिया में लिखना शुरू किया है जबकि फिल्म को रिलीज हुए एक हफ्ता हो चुका है।

फिल्म 'श्रीकांत' का पहले हफ्ते का प्रदर्शन काफी निराशाजनक रहा है। फिल्म ने रिलीज के पहले सात दिनों करीब 17.92 करोड़ रुपये कमाए हैं। करीब 40 करोड़ रुपये के बजट में बनी इस फिल्म को हिट का तमगा पाने के लिए बॉक्स ऑफिस पर कम से कम 80 करोड़ रुपये कमाने हैं। फिल्म का पहले दिन का कलेक्शन 2.25 करोड़ रुपये ही रहा था। इसके बाद फिल्म 'श्रीकांत' ने शनिवार को 4.2 करोड़ रुपये, रविवार को 5.25 करोड़ रुपये, सोमवार को 1.65 करोड़ रुपये, मंगलवार को 1.6 करोड़ रुपये, बुधवार को 1.5 करोड़ रुपये और गुरुवार को करीब 1.47 करोड़ रुपये कमाए हैं। इस प्रकार फिल्म का रिलीज के पहले सात दिन यानी पहले हफ्ते का कुल कलेक्शन अब तक करीब 17.92 करोड़ रुपये ही हो पाया है। ये कलेक्शन राजकुमार की तीन साल पहले रिलीज हुई फिल्म 'रूही' से बस थोड़ा सा ही ज्यादा है। और, फिल्म का ये कलेक्शन राजकुमार राव की 2015 में रिलीज हुई फिल्म 'डॉली की डोली' से काफी कम है। फिल्म 'श्रीकांत' को हालांकि दूसरे हफ्ते के पहले दिन साथी कलाकारों का अच्छा समर्थन मिलता दिखाई दिया। अभिनेता अक्षय कुमार ने सोशल मीडिया पर फिल्म को एक मस्ट वॉच फिल्म बताया और कहा कि राजकुमार राव को अब एक्टिंग क्लास देनी शुरू कर देनी चाहिए। अभिनेत्री सान्या मल्होत्रा ने भी राजकुमार राव की जमकर तारीफ की है और लिखा कि ऐसा कुछ भी नहीं है जो राजकुमार राव नहीं कर सकते। हालांकि फिल्म उन्होंने नहीं देखी है और वादा किया है कि वह इस सप्ताहांत ये फिल्म जरूर देखेंगी। निर्देशक अनुभव सिन्हा ने अपने सोशल मीडिया पर पेज पर फिल्म 'श्रीकांत' का रिव्यू किया है। अनुभव सिन्हा की पिछली फिल्म 'भीड़' के राजकुमार राव हीरो थे और इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर कुल दो करोड़ का कारोबार किया था। फिल्म 'श्रीकांत' के बारे में अनुभव सिन्हा लिखते हैं, 'ये फिल्म कल सिनेमाघर में देखी। क्या ही प्रेरणादायक फिल्म बनाई है तुषार हीरानंदानी ने। ज्योतिका ने कमाल काम किया है और राज के बारे में तो मैं क्या ही कहूं। मुझे याद है जब मुझे उनके इस किरदार के बारे में पता चला था तो मैंने उनको बताया था कि फिल्म 'स्पर्श' में नसीर भाई और ओम भाई ने जो किया है, उसके बाद ये उनके लिए काफी चुनौतीभरा होने वाला है। राज ने फिर एक बार साबित किया है कि वह तकरीबन सब कुछ कर सकते हैं।' अनुभव ने लोगों से सिनेमाघर जाकर ये फिल्म देखने की अपील भी की है।

टाइगर श्रॉफ को नहीं मिल रहे फिल्मों के ऑफर, अभिनेता ने लिया बड़ा फैसला

टाइगर श्रॉफ बॉलीवुड के सबसे फिट अभिनेताओं में से एक हैं। उनकी फिटनेस को देखकर काफी लोग प्रेरित होते हैं। टाइगर श्रॉफ हिंदी सिनेमा के युवा सितारों में से एक हैं, लेकिन फ्लॉप फिल्मों की एक सीरीज ने उनके करियर को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है और उनके पास कोई फिल्म नहीं बची है। बड़े मियां छोटे मियां के साथ टाइगर अब लगातार तीन फ्लॉप फिल्में दे चुके हैं। अब खबर है कि अभिनेता ने अपनी फीस कम करने का फैसला किया है।

लगातार फ्लॉप देने के बाद अब टाइगर का करियर डांवाडोल होते नजर आ रहा है। बॉलीवुड में टाइगर के लिए कोई ऑफर नहीं है और इससे स्टार काफी परेशान हैं। खबर सामने आई है कि टाइगर के थिंक टैंक ने स्टार हीरो को आने वाले दिनों में और फिल्में पाने के लिए अपनी फीस कम करने की सलाह दी है।

अभिनेता ने कम की फीस

अब खबरों के मुताबिक टाइगर की टीम उनकी हर फिल्म के लिए 9 करोड़ रुपए मांग रही है। खबर यह है कि टाइगर ने अपनी आखिरी फिल्म बड़े मियां छोटे मियां के लिए 30 करोड़ की भारी भरकम फीस ली थी, जिसमें अक्षय कुमार भी मुख्य भूमिका में थे और एक बड़ी फ्लॉप फिल्म के रूप में समाप्त हुई थी। अब देखना होगा कि टाइगर अब अपने करियर को कैसे संभालते हैं।

यह फिल्म भी रही फ्लॉप

टाइगर श्रॉफ पिछली बार अली अब्बास जफर की फिल्म बड़े मियां छोटे मियां में अभिनय करते नजर आए थे। इस फिल्म में उनके अलावा अक्षय कुमार, मानुषी छिल्लर, अलाया एफ और सोनाक्षी सिन्हा ने भी काम किया था। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा कारोबार किया। बड़े मियां छोटे मियां के रिलीज होने से पहले इसकी टक्कर मैदान से बताई जा रही थी, लेकिन अजय देवगन की फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कोई खास कमाल नहीं दिखा पाई।

इस शो में पति संग नजर आएंगी अंकिता

बिग बॉस से बाहर आने के बाद अंकिता लोखंडे और उनके पति विक्की जैन खूब सुर्खियां बटोरते हैं। हालांकि, आए दिन कपल सोशल मीडिया पर ट्रोल होता रहता है। इसके बावजूद दोनों सार्वजनिक रूप से अपना प्यार जाहिर करते हैं। अब हाल ही में खबर आ रही है कि अंकिता और विक्की साथ में एक शो में नजर आने वाले हैं। हाल ही में, उनके शो का प्रोमो भी रिलीज हो गया है। बता दें कि अंकिता- विक्की शो लाफ्टर शेफ्स में साथ नजर आने वाले हैं।